RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 142 ● भिलाई, मंगलवार 09 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

कोयला खदान से हो रहा जहरीली गैस का रिसाव

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले के केंदुआडीह क्षेत्र में बंद कोयला खदान से पिछले पांच दिनों से जारी जहरीली गैस का रिसाव थम नहीं रहा है। स्थिति यह है कि प्रभावित इलाके की लगभग 25 हजार आबादी लगातार दहशत में जी रही है। प्रशासन और बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) प्रबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस घनी आबादी वाले क्षेत्र को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने और पूरे इलाके को खाली कराने की है। राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला, नया धौड़ा, ऑफिसर कॉलोनी और पांच नंबर बस्ती में गैस का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। मुख्य सड़क तक तीव्र गंध पहुंच रही है और स्थानीय लोग मास्क पहनकर बाहर निकल रहे हैं। आस-पास की दुकानें बंद हैं। प्रभावित क्षेत्र में कई जगह जमीन अब भी गर्म है और भू-धंसान का खतरा कायम है।

घायलों की हालत स्थिर, सीएम सावंत ने मजिस्ट्रेट जांच के दिए आदेश

पणजी। गोवा के अरपोरा हादसे में 25 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग घायल हैं। फिलहाल घायलों की हालत स्थिर है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, मैं अरपोरा में आग लगने की घटना से पैदा हुई स्थिति का करीब से जायजा ले रहा हूं, जिसमें 25 लोगों की जान चली गई और 6 लोग घायल हो गए। सभी छह घायल लोगों की हालत स्थिर है और उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिल रहा है। मैंने इस पूरी घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं ताकि कारण का पता लगाया जा सके और जिम्मेदारी तय की जा सके।

अरपोरा हादसा गोवा के पर्यटन इतिहास का काला दिन, मुख्यमंत्री दें इस्तीफा

पणजी। गोवा के अरपोरा में नाइटक्लब में हुए हादसे में हुए हादसे में 25 लोगों की मौत हो हुई है, जबकि छह घायल हैं। गोवा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित पाटकर ने इस हादसे को गोवा के पर्यटन इतिहास का काला दिन बताया है। उन्होंने राज्य सरकार और रेगुलेटरी निगरानी पर सवाल उठाते हुए सीएम प्रमोद सावंत से इस्तीफे की मांग की। गोवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पाटकर ने कहा, अरपोरा के एक क्लब में 25 बेगुनाह लोगों की मौत गोवा के पर्यटन इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है। यह भयानक घटना कोई हादसा नहीं है, यह मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार के तहत शासन, रेगुलेटरी निगरानी और सार्वजनिक सुरक्षा के पूरी तरह से फेल होने का सीधा नतीजा है। उन्होंने कहा, वर्षों से कांग्रेस पार्टी सरकार को लगातार अवैध गतिविधियों बिना रेगुलेशन के नाइटलाइफ ऑपरेशन, सुरक्षा नियमों के उल्लंघन और सत्ताधारी प्रतिष्ठान और कुछ व्यावसायिक हितों के बीच गहरे गठजोड़ के बारे में चेतावनी देती रही है।

कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे पर झुकी

इसलिए भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा-पीएम नरेन्द्र मोदी...

नयी दिल्ली/ एजेंसी

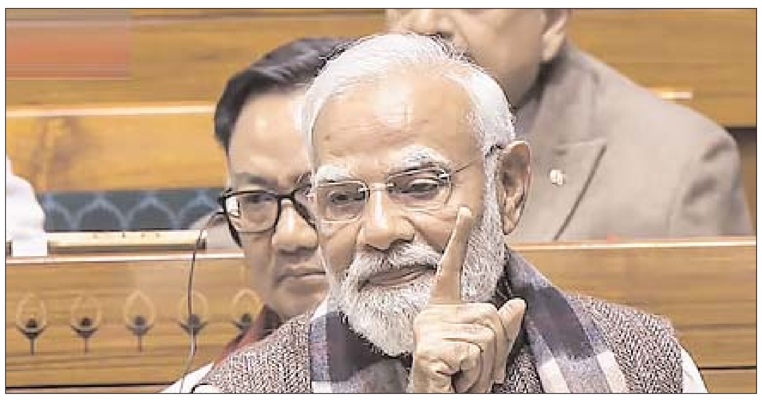

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दावा किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए गए। उन्होंने यह भी कहा, "कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे पर झुकी, इसलिए उसे एक दिन भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा।"मोदी ने सदन में "राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा" की शुरूआत करते हुए 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा, "जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा कर दिया।" प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मोहम्मद अली जिन्ना ने वंदे मातरम् के विरोध का नारा बुंलद किया तो तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा कि "वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को इरिटेट (क्षुब्ध) कर सकती है।"उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् पर समझौता कर लिया और इसके टुकड़े कर दिए और इसके लिए सामाजिक सद्भाव का हवाला दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, "वंदे मातरम के टुकड़े करने के फैसले में नकाब यह पहना गया कि यह तो सामाजिक सद्भाव का काम है। लेकिन, इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया गया। यह कांग्रेस का तुष्टीकरण की राजनीति को साधने का एक तरीका था।"मोदी ने कहा, "दुर्भाग्य से कांग्रेस की नीतियां आज वैसी की वैसी ही हैं और आज आईएनसी चलते-चलते एमएमसी हो गया है। प्रधानमंत्री ने गत 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के बाद राजग की जीत के बाद अपने भाषण में कांग्रेस के लिए एमएमसी मुस्लिम-लीगी माओवादी कांग्रेस) शब्द का इस्तेमाल किया था। मोदी ने कहा, "वंदे मातरम्, सिर्फ राजनीतिक लड़ाई का मंत्र नहीं था। सिर्फ अंग्रेज जाएं और हम अपनी राह पर खड़े हो जाएं,

प्रधानमंत्री इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश कर रहे', पीएम मोदी के संबोधन पर कांग्रेस का तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वंदे मातरम पर दिए गए भाषण का मकसद इतिहास फिर से लिखना और उसे राजनीतिक रंग देना था। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह जवाहरलाल नेहरू के योगदान पर एक भी दाग नहीं लगा पाएगी। लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर चर्चा हुई। इस चर्चा के दौरान, सदन में कांग्रेस के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह आदत है कि जब भी वह किसी मुद्दे पर बोलते हैं तो भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और कांग्रेस का जिक्र करते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान उन्होंने नेहरू का नाम 14 बार और कांग्रेस का नाम 50 बार लिया।

संसद में बोलीं प्रियंका गांधी

जितने साल से मोदी पीएम,उतने साल नेहरू जेल में रहे- प्रियंका..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरल की वायनाड सीट से चुनकर लोकसभा पहुंचीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि संसद में इस समय ये चर्चा इसलिए कराई गई, क्योंकि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। प्रियंका गांधी ने संसद में आगे कहा कि वंदे मातरम केवल भावना नहीं, बल्कि देश की आजादी की लड़ाई की ताकत और नैतिकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस गीत ने ब्रिटिश साम्राज्य को भी झुकने पर मजबूर किया था। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम नाम लेते ही स्वतंत्रता संग्राम की यादें और उसका साहस सामने आ जाता है। उन्होंने आगे कहा कि 1930 के दशक में सांप्रदायिक की राजनीति उभरी तब ये गीत विवादित होने लगा। उन्होंने आगे कहा कि 1937 में नेताजी कोलकाता में कांग्रेस अधिवेशन का आयोजन कर रहे थे। 20 अक्तूबर का लेटर उन्होंने सुनाया, लेकिन इससे पहले उन्होंने नेहरू को एक चिठ्ठी लिखी थी, इसका पीएम मोदी ने जिक्र नहीं किया। प्रियंका ने कहा कि हम देश के लिए हैं, आप चुनाव के लिए हैं। 17 अक्तूबर को चिठ्ठी के जवाब में नेहरू ने 20 अक्तूबर की चिठ्ठी में लिखा- मैंने तय किया है। कि मैं 25 अक्तूबर कोलकाता आऊंगा, टैगोर से मिलूंगा। 28 अक्तूबर को कांग्रेस ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित किया। इस कार्यसमिति की बैठक में सभी महापुरुष मौजूद थे। सभी इस प्रस्ताव से खुश थे। सहमत थे। संसद में वंदे मातरम पर हो रही बहस के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया। कि आखिर इसकी जरूरत क्या थी। उन्होंने कहा कि यह गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा रहा है और 75 साल से आज़ाद भारत में जनता के दिलों में बसता आया है।

आसाराम केस

सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता की याचिका की खारिज जमानत नहीं होगी रद्द

नई दिल्ली/जयपुर

स्वयंभू संत आसाराम बापू से जुड़े बहुचर्चित यौन-शोषण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मिली अंतरिम चिकित्सा जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया है। सोमवार को दिए गए आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका खारिज करते हुए राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा दी गई राहत में हस्तक्षेप करने से साफ मना कर दिया। हालांकि अदालत ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि वर्ष 2018 से लंबित आपराधिक अपील का शीघ्र निस्तारण आवश्यक है और राजस्थान हाई कोर्ट से इसे तीन माह के भीतर निपटाने के लिए कहा है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। पीठ ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में हाई कोर्ट द्वारा दी गई चिकित्सा जमानत को रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता, लेकिन मामले की लंबित स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है। शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि आईपीसी और पीओसीएसओ अधिनियम के तहत गंभीर आरोपों में दोषसिद्ध व्यक्ति को इस तरह से बार-बार अंतरिम राहत देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आसाराम ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है।

हाई कोर्ट की अंतरिम चिकित्सा जमानत

राजस्थान हाई कोर्ट ने आसाराम की उम्र, जो वर्तमान में 86 वर्ष है और उनकी चिकित्सकीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपील के अंतिम निर्णय तक उनकी सजा को निलंबित कर अंतरिम चिकित्सा जमानत दी थी। हाई कोर्ट ने यह राहत देते समय कुछ शर्तें भी तय की थीं, जिनमें भारत से बाहर न जाने, नियमित अंतराल पर चिकित्सा रिपोर्ट दाखिल करने और निर्धारित अवधि पूरी होने पर संबंधित प्राधिकरणों के समक्ष आत्मसमर्पण करने जैसी शर्तें शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत को रद्द करने की मांग ठुकराते हुए कहा कि इस स्तर पर उसमें दखल उचित नहीं होगा। साथ ही अदालत ने यह भी माना कि इतने वर्षों से लंबित अपील का शीघ्र निस्तारण न्यायहित में आवश्यक है। इसी कारण राजस्थान हाई कोर्ट से आग्रह किया गया कि वह तीन माह की समय-सीमा के भीतर अपील की सुनवाई कर निर्णय सुनाए।

माता वैष्णो देवी भक्तों के लिए खुशखबरी,अब रात 12 बजे तक कटरा स्टेशन पर मिलेगा आरएफआईडी कार्ड

कटरा। मां वैष्णो देवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाएँ बढ़ाने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा पंजीकरण की समय-सारणी में बदलाव किया है। अभी तक सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों पर श्रद्धालुओं को सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक ही आरएफआईडी यात्रा कार्ड मिलता था, जिसके बाद ही वे यात्रा शुरू कर सकते थे। बिना आरएफआईडी कार्ड के माता वैष्णो देवी यात्रा की अनुमति नहीं है, जिसके कारण देर रात आने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

लोगों के समर्थन ने बदला मन

निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर का यू-टर्न बोले- अब नहीं दूंगा इस्तीफा,पद पर कायम रहूंगा

कोलकाता। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद का शिलान्यास कर राजनीतिक हलचल मचाने वाले निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने सोमवार को चौंकाने वाला यू-टर्न ले लिया। कुछ दिन पहले 17 दिसंबर को इस्तीफा देने का एलान कर चुके कबीर ने अब कहा है कि वह विधायक पद से इस्तीफा नहीं देंगे।कबीर ने पत्रकारों से कहा मेरे इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं। मेरे क्षेत्र के लोगों ने मुझसे इस्तीफा न देने की अपील की है और मैं उनकी इच्छा का सम्मान करूंगा। कबीर ने दावा किया कि मस्जिद शिलान्यास कार्यक्रम में अप्रत्याशित जनसमर्थन मिला, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा वापस लेने का फैसला किया। उन्होंने कहा लोगों ने मुझे अपना प्रतिनिधि चुना है। वे चाहते हैं कि मैं पद पर बना रहूं। पहले उन्होंने 22 दिसंबर को एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने और उससे पहले इस्तीफा देने की घोषणा की थी। टीएमसी ने स्पष्ट किया है कि पार्टी अब कबीर से विधानसभा में भी दूरी बनाए रखेगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उनकी विधानसभा सीट को भाजपा बेंचों के पास शिफ्ट किया जाएगा। पहले उन्हें मंत्रालय का अनुभव होने के कारण पहली पंक्ति में स्थान दिया गया था। टीएमसी मुख्य सचेतक निर्मल घोष ने कहा हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। निलंबित विधायकों की सीटिंग पर जल्द फैसला होगा। शनिवार को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में 'बाबरी मस्जिद-स्टाइल' मस्जिद का शिलान्यास हुआ था, जिसे प्रशासनिक निगरानी में कराया गया। इसी कार्यक्रम के बाद राजनीतिक तनाव और बढ़ा।

तिरुवनंतपुरम में आने वाले केरल लोकल बॉडी चुनावों की तैयारियों के बीच एक घर की दीवारों पर पार्टी के बैनर लगाए गए।

भाजपा ने इससे चुनावी बांड लिए थे

इंडिगो पर सरकार का दबाव नहीं,पूंजीवादी हावी-अखिलेश

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने 'इंडिगो' की उड़ानों के रद्द होने के मुद्दे पर आरोप लगाया कि निजी विमानन कंपनी पर सरकार का कोई दबाव काम नहीं कर रहा है, क्योंकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इससे चुनावी बांड लिए थे। सहारनपुर के दौरे पर आए सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत में इंडिगो की उड़ानों के निरस्त होने से यात्रियों को हो रही परेशानी को लेकर कहा, अगर उद्योगपतियों को ताकतवर बना देंगे तो वे सरकार पर दबाव बनाएंगे। सरकार के ऊपर जाकर काम करेंगे। इंडिगो पर सरकार का दबाव नहीं है, इंडिगो वालों से भाजपा ने चुनावी बांड लिए थे।

छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर बड़ी कामयाबी

एक करोड़ का इनामी कुख्यात नक्सली रामधेर मज्जी ने किया सरेंडर

राजनांदगांव/ संवाददाता

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ में एक करोड़ के इनामी रामधेर मज्जी सहित 12 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन नक्सलियों में छह महिलाएं भी शामिल हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की पुलिस के लिए नक्सली रामधेर बड़ी चुनौती था। सरेंडर नक्सली रामधेर मज्जी एमएमसी जोन में सीसी मेंबर के रूप में काम कर रहा था। राजनांदगांव पुलिस लाइन में एमएमसी जोन सीसी मेंबर रामधेर सहित 12 नक्सलियों ने सरेंडर किया है,आत्मसमर्पित नक्सलियों पर मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में कुल 2 करोड़ 95 लाख रुपए का इनाम घोषित था। शासन की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इससे पहले खैरागढ़ जिला बकरकट्टा थाना क्षेत्र के कुम्ही गांव में आज सुबह 12 सीपीआई माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया था। सरेंडर करने वालों में रामधेर मज्जी ने ्र-47 सहित बड़े कैडर शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में बड़े नक्सली कैडर के सदस्य जिसमें, सीसी मेंबर, डीवीसीएम, एसीएम और अन्य स्तर के बड़े नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों ने ्र-47 और अन्य हथियारों के साथ सरेंडर किया है। बताया जा रहा है कि सीसी मेंबर रामधेर मज्जी के सरेंडर के बाद नक्सलियों का एमसीसी जोन लगभग खत्म हो गया। इससे पहले छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 37 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। मिनपा जैसी घटना में शामिल नक्सली ने अपने 36 साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया था। इन सभी नक्सलियों के ऊपर 65 लाख का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि पूना मारगेम जिसका अर्थ पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल पर भरोसा जताते हुए नक्सली हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपना रहे हैं और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे है। समर्पण करने वाले नक्सलियों में कुछ वर्ष पहले मिनपा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर 26 जवानों के बलिदान होने और 20 जवानों को घायल कर हथियार एवं एम्युनिशन लूटने की घटना में शामिल माओवादी ने भी सरेंडर किया है। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर, पिछले 20 महीनों में दंतेवाड़ा जिला में 165 इनामी नक्सली सहित कुल 508 से अधिक नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा को अपनाया है। नक्सलियों के नेतृत्व से लेकर आधार क्षेत्र के सक्रिय कैडर तक बड़ी संख्या में नक्सली संगठन से अलग हो चुके हैं। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 333 इनामी नक्सली सहित कुल 1160 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

CMYK

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से धरातल तक उतर रही युवाओं के सर्वांगीण विकास की योजनाएं

एसआई भर्ती परीक्षा परिणामों से युवाओं के सपने हुए पूरे, कवर्धा से 40 प्रतिभागियों के चयन ने किया गौरवान्वित

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के बीते दो वर्षों के प्रयासों ने कवर्धा में युवाओं के सर्वांगीण विकास की एक नई इबारत तैयार हो रही है। युवाओं व विद्यार्थियों के खेल तथा शिक्षा-सुविधाओं को सुदृढ़ करने के ध्येय के साथ धरातल पर उतरती योजनाओं ने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। जिनमें आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नालंदा परिसर का निर्माण, विद्यार्थियों के लिए हाई टेक स्मार्ट क्लास, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भोरमदेव विद्यापीठ का संचालन, खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए कई जगहों पर मिनी स्टेडियम का निर्माण के साथ एस आई भर्ती परीक्षा परिणाम जारी करवाने जैसे कार्य शामिल हैं। यह सभी विकास कार्य बताते है कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा में पिछले दो वर्षों में शिक्षा, खेल, युवा सशक्तिकरण और आधारभूत विकास के क्षेत्र में कई दूरगामी पहल की गयी है। उनका यह प्रयास न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और उम्मीदों से भरा आधार तैयार कर रहा है।

4 करोड़ 41 लाख की लागत से नालंदा परिसर- उज्ज्वल भविष्य की नींव

कवर्धा में छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विस्तार देते हुए 4 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से नालंदा परिसर निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। भूमिपूजन के पश्चात अब निर्माण कार्य तेजी से शुरू कर दिया है। नालंदा परिसर भविष्य में विद्यार्थियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक गतिविधियों और संसाधनों का केंद्र बनेगा। यहां छात्रों को उन्नत लाइब्रेरी, डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त संसाधन मिलेंगे। जो छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा और उच्च शिक्षा की तैयारी के लिए एक मजबूत बुनियाद तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे।

विभिन्न ग्रामों में मिनी स्टेडियम निर्माण से खेल संस्कृति को बढ़ावा

खेल सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देते हुए कवर्धा विधानसभा के अनेक ग्रामों में मिनी स्टेडियमों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इन स्टेडियमों के निर्माण से ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए उपयुक्त वातावरण मिलेगा। यह प्रयास स्थानीय युवाओं को खेल की मुख्यधारा से जोड़ने और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

कवर्धा के विभिन्न ग्रामों में मिनी स्टेडियम निर्माण से खेल संस्कृति को बढ़ावा

खेल सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देते हुए कवर्धा विधानसभा के अनेक ग्रामों में मिनी स्टेडियमों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इन स्टेडियमों के निर्माण से ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए उपयुक्त वातावरण मिलेगा। यह प्रयास स्थानीय युवाओं को खेल की मुख्यधारा से जोड़ने और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

भोरमदेव विद्यापीठ - प्रतियोगी परीक्षा का समग्र केंद्र

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की स्पष्ट सोच है कि आ संसाधनों के कमी के चलते जिले के होनहारों की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में कहीं कमी न हो। वे इस ध्येय को धरातल पर मूर्त रूप देने का कार्य भोरमदेव विद्यापीठ संचालन की पहल से कर रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए समग्र संसाधन केंद्र के रूप में तैयार हुआ है। भोरमदेव विद्यापीठ के माध्यम से प्रति वर्ष 200 प्रतिभावान युवाओं को सीजी पीएससी और सीजी व्यापम परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस पहल से ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता की कोचिंग मिल रही है और सिविल सेवा जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं को हासिल करने का रास्ता उनके लिए आसान हुआ है।अनुभवी शिक्षक, सटीक रणनीति, सिलेबस के अनुसार स्टडी मटेरियल और मार्गदर्शन प्रतिभागियों की तैयारी पुख्ता हो रही है।

50 स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम शिक्षा में डिजिटल क्रांति

शिक्षा के आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए कवर्धा विधानसभा के 50 सरकारी स्कूलों में बड़े निजी स्कूलों की तर्ज पर स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से सीखने-समझने का अवसर मिल रहा है। स्मार्ट क्लासरूम बच्चों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ते हुए शिक्षा को अधिक रोचक, प्रभावी और बहुआयामी बना रहे हैं।

एसआई भर्ती परीक्षा परिणाम जारी कबीरधाम के 40 युवाओं का चयन

छह वर्षों से लंबित 975 पदों की एसआई भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना और उसका परिणाम जारी कराना उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से संभव हुआ है। इस भर्ती में कबीरधाम जिले के 40 युवाओं का चयन होना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि युवाओं के मन में नई ऊर्जा और विश्वास भरती है कि युवाओं के रोजगार के अवसर मजबूत हो रहे हैं।

जिला साहु संघ के अध्यक्ष के लिए चार दावेदार, 9 दिसंबर को होगा मतदान और परिणाम घोषित होगा

बेमेतरा। जिला साहू संघ बेमेतरा का त्रैवार्षिक आम चुनाव 9 दिसंबर 2025 को टाउन हॉल बेमेतरा में संपन्न होगा। जिसमें तुलाराम साहू मुख्य चुनाव अधिकारी तथा शांतनु साहू, बिशेसर साहू एवं शिवकुमार साहू पर्यवेक्षक छत्तीसगढ़ साहू संघ रायपुर होंगे। बेमेतरा जिला साहु संघ के अध्यक्ष पद हेतु चार उम्मीदवार मैदान में हैं जिसमें शत्रुघ्न साहु, नारद साहु, गैंद राम साहु और प्रमोद साहु है और अन्य पद के लिए भी उम्मीदवार है। जिला साहू संघ बेमेतरा के निर्वाचन में आजीवन सदस्य सभी तहसील साहू संघ के निर्वाचित अध्यक्ष सहित सात सदस्य वह सभी परिक्षेत्र के निर्वाचित अध्यक्ष सहित 7 सदस्य साधारण सदस्य के रूप में मतदाता होंगे। जिसमें जिला साहू संघ बेमेतरा के अध्यक्ष एक उपाध्यक्ष दो महिला एवं पुरुष तथा संगठन सचिव महिला एवं पुरुष कुल पांच पदों का निर्वाचन होना है। जिला साहू संघ बेमेतरा के आजीवन सदस्य व तहसील व परिक्षेत्र निर्वाचित साधारण सदस्य कुल मतदाता संख्या 2088 है, जो अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान का समय सुबह 9:00 बजे से 3:00 बजे शाम तक होगा। साथ ही मतदान पश्चात मतगणना एवं परिणामों की घोषणा किया जाना है। उक्त जानकारी पंचम साहू पूर्व संयुक्त सचिव प्रदेश साहू संघ रायपुर के द्वारा दी गई।

संजय बैस ने विभागीय अधिकारियों को गांव में ही बुलाकर ग्रामीणों की समस्या का निराकरण किया

दल्लीराजहरा। ग्राम पंचायत धुरवाटोला के आश्रित ग्राम शिकारी टोला के प्राथमिक स्कूल को शासन के द्वारा मर्ज होने वाले विद्यालय की सूची में डाल दिए जाने पर ग्राम वासी अपने गांव के स्कूल बंद होने की सूचना से चिंतित थे। इन सभी बातों की जानकारी पूर्व जनपद सदस्य संजय बैस को ग्रामीणों ने दी। संजय बैस ने विभागीय जानकारी लेते हुए सभी विषयों को समझा और विभागीय अधिकारियों को गांव में ही बुलाकर ग्रामीणों की समस्या का निराकरण किया। संजय बैस ने ग्रामीणों और अधिकारियों के बीच चर्चा उपरांत बताया कि वास्तव में विभागीय त्रुटि से शिकारी टोला का नाम स्कूल बंद होने की सूची में नाम आ गया है । इसे पुनः सुधार कर शासन स्तर पर भेजने की बात कही। ग्रामीण संजय बैस से उम्मीद लगाए बैठे थे। क्योंकि ग्रामीण जनों को भरोसा था कि हर बार की तरह संजय बैस उनकी समस्या का निराकरण करेंगे और स्कूल को बंद होने से बचाने में सफल होंगे। इसी उम्मीद से ग्रामीण जन बैठक में इंतजार कर रहे थे। जब विद्यालय परिसर में अधिकारियों के साथ पहुंचे तो लोगों को उम्मीद की किरण नजर आ गई कि समस्या का निराकरण अवश्य होगा गांव के तरफ से सरपंच पंच ग्राम पटेल ने अपनी बात रखी। सरपंच अंजू कोसमा ने बताया कि हमारे गांव के स्कूल बंद होने की खबर सुनकर हम सब चिंतित हैं। हमारे गांव के छोटे छोटे बच्चे पढ़ाई करने अब कहां जायेंगे। अभी इनकी उम्र मां और पिता के उंगली पकड़कर स्कूल जाने की है हम दूसरी जगह कैसे भेजेंगे। शाला विकास समिति के अध्यक्ष टीकम गावरे ने कहा कि हम अपने गांव की स्कूल को बंद होने से बचाना चाहते है चाहे जो हो जाए हम विद्यालय बंद नहीं होने देंगे। इन सभी बातों को सुनकर अधिकारियों ने ग्रामीणों से कहा कि संजय बैस ने आप के स्कूल के सम्बन्ध में पूरी जानकारी हमें दे दी है जिससे स्पष्ट हुआ है कि विभागीय लिपिकीय त्रुटि के कारण आपके गांव के स्कूल का नाम बंद होने की सूची में आ गया है। आप लोग किसी तरह से चिंतित ना हो, आपके गांव का स्कूल बंद नहीं होगा। मैने कलेक्टर से चर्चा कर आपको आश्वास्त कर रहा हूं, इसे सुधार कर संशोधन करने के लिए ही आपके गांव में ब्लाक शिक्षा अधिकारी चतुर्वेदी बीआरसी शर्मा आए हुए है उसे सुधार कर शासन को पुनः भेजा जाएगा। ब्लाक शिक्षा अधिकारी चतुर्वेदी ने भी ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि आपके गांव का स्कूल बंद नहीं होगा। उनके आश्वासन के बाद ग्रामीण जन हर्षित होकर तालियों से अभिवादन किए और अपने नेता संजय बैंस का आभार व्यक्त किए। इस अवसर पर हरिशचंद चुरेंद्र, रामनाथ आर्य, खुमान सिंग गावरे, पुनीत राम धनकर, रिखी राम धनकर, ओम प्रकाश बालेंद्र, पवन कुमार आर्य, किरण नायक, योगेश्वरी गावरे, यशोदा बाई, नंदिता धनकर सहित सैकड़ों ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

शिवमहापुराण श्रवण से मनुष्य के सभी दोष दुर हो जाता है : ज्योर्तिमयानंद

बेमेतरा। नगर के कृषि उपज मंडी परिसर में गौ प्रतिष्ठा यज्ञ एवं शिवमहापुराण कथा प्रारंभ प्रथम दिन प्रातःकाल से यज्ञाचार्यो द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ में मंथन कर अग्नि प्रज्वलित किया गया यज्ञ स्थल पर महिलाएं, पुरुष, बच्चों ने जय जयकार कर परिक्रमा प्रारंभ किया बड़ी संख्या में नगर के लोग शामिल हुए। दोपहर 2बजे से दण्डी स्वामी ज्योर्तिमयानंदःसरस्वती द्वारा शिवमहापुराण कथा का प्रारंभ करते हुए कहा कि कलियुग में शिवमहापुराण कथा सुनने से ही पुण्य की प्राप्ति एवं जीवन के पाप कट जाते हैं। कलियुग में धर्म का अपमान हो रहा है धर्म से लोग शुन्य होने लगें हैं सभी पुराणों का सार शिवमहापुराण है जिससे मनुष्य के सभी दोष दुर हो जाता है । मनुष्य के जीवन में पुण्य का उदय होता है तो शिवमहापुराण कथा सुनने का अवसर प्राप्त होता है शिवमहापुराण कथा सुनने से राजसूय यज्ञ करनें की प्राप्ति होती है शिवमहापुराण कथा कलयुग में मन को शुद्ध करनें वाला है अमृत पान करनें जैसा है। घर के एक व्यक्ति भी इस कथा को सुन लेता है तो पुरे खानदान तर जाता है । कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए दिन रात मेहनत कर रहें हैं। कथा स्थल पर मुख्य रूप से जीवधन प्रसाद तिवारी, राकेश तिवारी, नरोत्तम साहू, टेकराम साहु, संदीप गोंड, केशव प्रसाद तिवारी, फेरू साहू, बहोरन पाण्डेय, रामकृष्ण वैष्णव, वर्षा गौतम, जानकी साहू, मिनाक्षी तिवारी, अघनियां सिन्हा, के साथ बड़ी संख्या में कथा श्रवण किया प्रतिदिन

ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन-तिलहन फसल लेकर, फसल चक्र को अपनाने कर रहे हैं प्रेरित

दल्लीराजहरा। धान के फसल की कटाई के पश्चात बचे हुए अवशेषों को बेलर मशीन के माध्यम से संग्रहित कर कृषक रत्न से सम्मानित सोमेश साहू अपने पशुओं के चारा हेतु बेहतर व्यवस्था कर रहे हैं। जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम गुजरा के कृषक रत्न से सम्मानित साहू ने कृषि क्षेत्र में अपनी प्रगतिशील सोच से एक मिसाल कायम की है। उन्होंने धान कटाई के बाद फसल अवशेषों (पराली) को न जलाकर, उसे बेलर मशीन के माध्यम से संग्रहित करने का अनूठा कार्य किया है। उन्होंने बताया कि उनके पास लगभग 45 पशु है। जिनके लिए नियमित रूप से चारा की आवश्यकता होती है। जिसके लिए वे अपने खेत में धान की कटाई के पश्चात बचे अवशेष (पराली) को जिला खनिज न्यास मद से प्राप्त बेलर मशीन का उपयोग कर संग्रहित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष को खेत में न जलाकर उसे संग्रहित करना चाहिए। इस फसल अवशेष को जलाने से पर्यावरण प्रदूषण, मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीव की हानि, मित्र कीटों को नुकसान इसके साथ ही जमीन में उपजाऊ क्षमता में प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि गिरते भू-जल स्तर को सुधारने के लिए ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, गन्ना, मक्का, गेहूँ इत्यादि कम जल संचय करने वाली फसलों को लगाना चाहिए तथा फसल चक्र को अपनाना चाहिए ।

सघन कुष्ठ खोज अभियान का हुआ प्रशिक्षण

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा के नवागढ़ ब्लॉक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सघन कुष्ठ खोज एवं जांच उपचार अभियान,सघन पल्स पोलियो अभियान का प्रशिक्षण कार्ययोजना तैयार करने के साथ समस्त स्वास्थ्य कार्यक्रम का समीक्षा किया गया जिसमें मुख्य रूप से सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बी एल राज, बीएमओ नवागढ़ डॉ एम एम रजा उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक में सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्य कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। इनका मॉनिटरिंग भी आवश्यक है जिससे हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ अवश्य मिले।

कोई भी हितग्राही स्वास्थ्य सेवा लाभ से वंचित न हो इनका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इसमें किसी प्रकार से लापरवाही बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इस प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक में नवागढ़ ब्लॉक के बीपीएम, समस्त स्वास्थ्य केंद्र संस्थान प्रभारी के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध परिवहन रोकने वाले चेक-पोस्ट के जिम्मेदार गायब

मध्यप्रदेश से रोज घुस रहा है धान, रात में माल पार

कवर्धा। कबीरधाम जिले की सीमाओं पर धान तस्करी बेरोकटोक जारी है। अवैध परिवहन को रोकने के लिए बनाए गए चेक-पोस्ट और बैरियर पर तैनात कर्मचारी अक्सर गायब पाए जाते हैं, जिससे मध्यप्रदेश से धान की अवैध एंट्री का रास्ता लगभग खुला हुआ है। जानकारी के अनुसार अवैध परिवहन करने वाले तस्कर रेंगाखार, समनापुर, चरणतीर्थ, बोकरखार, दलदली, पौलमी, सेनदूरखार, झूमर सहित कई सीमावर्ती रास्तों से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में धान छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रहा है। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर बिना रोक-टोक माल पार कर रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक मध्यप्रदेश के व्यापारी 2400 से 2500 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर धान की आपूर्ति कर रहे हैं, जिसे बाद में छत्तीसगढ़ की उपार्जन व्यवस्था में खपाया जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन बैरियरों पर अवैध परिवहन को रोकने की जिम्मेदारी है, वहीं के कर्मचारी नदारद मिल रहे हैं। इससे प्रशासनिक सतर्कता और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि चेक-पोस्ट पर नियमित निगरानी बहाल नहीं की गई, तो जिले में धान तस्करी पर लगाम लगाना नामुमकिन हो जाएगा, और इसका सीधा असर सरकारी उपार्जन प्रणाली पर पड़ेगा।

गौ-प्रतिष्ठा एवं शिव महापुराण कथा में शामिल हुए नगर पालिका अध्यक्ष

बेमेतरा। बेमेतरा नगर कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित गौ-प्रतिष्ठा एवं शिव महापुराण कथा के पावन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में धार्मिक उत्साह, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण का विशेष संचार रहा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में निम्न गणमान्य नागरिक, विशेष रूप विकाश तम्बोली लेखमनी पाण्डेय जी राजकुमार खांडे लक्की साहू रोशन दत्ता सावित्री रजक मीनू पटेल उपस्थित रहे।

बोडला में नगर पंचायत का शौचालय महीनों से बंद, आखिर जिम्मेदार कौन?

कवर्धा। नगर पंचायत बोडला का सामुदायिक शौचालय, जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बना हुआ हैं। जो लोगों के लिए सबसे जरूरी सुविधा था, पिछले कई महीनों से बंद पड़ा है। शौचालय पर ताला लगा होने से मरीज, महिलाएँ, बुजुर्ग, दुकानदार और राहगीर सभी परेशान हैं। शौचालय का संचालन नगर पंचायत ने एक ठेकेदार को दिया था, लेकिन ताला लगा है, साफ-सफाई नहीं होती और किसी तरह की देखरेख भी नहीं है। लोग सवाल पूछ रहे हैं- यदि नगर पंचायत ने शौचालय ठेके पर दिया था, तो उसकी जिम्मेदारी कौन देख रहा है।

मरीज और राहगीर सबसे ज्यादा परेशान

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास होने के कारण रोजाना यहां सैकड़ों लोग आते-जाते हैं। शौचालय बंद होने से उन्हें काफी दिक्कत होती है। कई लोग मजबूरी में दूर जाकर सुविधा लेते हैं, जो बेहद शर्मनाक और असुविधाजनक स्थिति है।

ठेकेदार गायब, नगर पंचायत चुप

स्थानीय लोगों का कहना है कि शौचालय महीनों से बंद है लेकिन न ठेकेदार दिखाई देता है और न ही नगर पंचायत का कोई कर्मचारी इसे देखने आता है। लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत के अधिकारी सिर्फ बोर्ड लगा देते हैं, लेकिन सुविधा चल रही है या नहीं, इसकी चिंता किसी को नहीं।

स्वच्छता अभियान की पोल खुली

शौचालय पर 'स्वच्छता का प्रतीक' लिखा हुआ है, लेकिन अंदर ताला लगा है। यह स्थिति साफ दिखाती है कि स्वच्छता अभियान का पालन सिर्फ कागजों पर हो रहा है, जमीन पर नहीं।

जनता की मांग - ताला तुरंत खोला जाए

लोगों ने नगर पंचायत से मांग की है कि शौचालय तुरंत खोला जाए, साफ-सफाई और पानी की सुविधा बहाल की जाए, ठेकेदार और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई हो।

ऑनलाईन गेम की आदत ने ली जान: सुसाईड नोट में ऑनलाईन बेटिंग गेम का खुलासा, फांसी में झूले असिस्टेंट प्रोफेसर

डोंगरगांव नगर। ब्लॉक के ग्राम अर्जुनी में कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय शासकीय कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर का शव शनिवार को दोपहर में अर्जुनी स्थित किराये के मकान के वेन्टीलेशन में लटकते देखा गया। पुलिस सूत्रों की माने तो कमरे में बरामद कथित सुसाईड नोट में मृतक ने ऑनलाईन गेम बेटिंग का जिक्र किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक स्थानीय शासकीय कालेज के संविदाकर्मी असिस्टेंट प्रोफेसर हरिवंश चोरगे, 27 वर्ष निवासी बिलाईगढ़, सारंगढ़ ने अर्जुनी स्थित किराये के मकान में फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। सुबह से दोपहर तक प्रोफेसर के घर से बाहर नही निकलने व दरवाजा तक नही खोलने से मकान मालिक कौशिक ने दरवाजा खटखटाते हुए आवाज लगाई। जब मकान मालिक ने वेंटिलेशन में देखा तो प्रोफेसर वेंटिलेशन में फंदे के सहारे झूलते पाए गए। सूचना के आधार पर विवेचक देव रावटे ने मौका मुआयना किया, तो पुलिस को एक सुसाईड नोट बरामद होने की बात कही जा रही है, जिसमे प्रोफेसर ने अपने पिता के भरोसे पर खरा नही उतरने पर पिता से माफी माँगी है। घटना के दूसरे दिन पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कर पोस्टमार्टम उपरांत अंत्येष्टि के लिए भेज दिए जाने की खबर है। सुसाइड नोट सहित अन्य एंगल से पुलिस विवेचना जारी है। बहरहाल स्थानीय पुलिस संविदाकर्मी असिस्टेंट प्रोफेसर के ऑनलाईन गेम की आदत को आत्महत्या की वजह मान रही है।

संक्षिप्त समाचार

महालक्ष्मी वरदान दिवस में पूजा-अर्चना एवं भंडारे का आयोजन

रायपुर। अगहन मास की पूर्णिमा पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच द्वारा महालक्ष्मी वरदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मंच के संरक्षक कन्हैया अग्रवाल, अध्यक्ष नितेश अग्रवाल एवं महामंत्री पंकज अग्रवाल के नेतृत्व में विधि-विधान से मां महालक्ष्मी और भगवान अग्रसेन का पूजन-अर्चना किया गया। पूजा उपरांत प्रसादी स्वरूप भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। अगहन मास पूर्णिमा का यह दिन अग्रवाल समाज के लिए विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि अगहन मास की पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी, महाराजा अग्रसेन जी की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें अपना दत्तक पुत्र स्वीकारते हुए सदैव अग्र कुल में विराजमान रहने का वरदान प्रदान किया था। इसी उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज देशभर में इस दिन को महालक्ष्मी वरदान दिवस के रूप में मनाता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप श्री सीताराम अग्रवाल, विष्णु गोयल, राधेश्याम अग्रवाल, राजेश केडिया, निर्मल अग्रवाल ,सुरेश चौधरी , नारायण अग्रवाल, कमल गुप्ता श्रीमती प्रीति अग्रवाल, बबीता अग्रवाल , सुनीता पोद्दार, रेणु पोद्दार, अमिता सिंघानिया पूनम अग्रवाल, वंदना अग्रवाल,मानस अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, त्रिपत जैन, दिनेश अग्रवाल, अशोक गोयल , जितेंद्र अग्रवाल , सुरेश अग्रवाल ,सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे। युवा अग्रवाल मंच के अध्यक्ष ने बताया कि पूरे देश में अग्रवाल समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महालक्ष्मी वरदान दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

किसानों के खसरा नंबर एग्रीस्टेक पोर्टल से लिंक करने जिला प्रशासन की विशेष पहल

रायपुर। किसानों को योजनाओं और कृषि सेवाओं का लाभ सुगमता से मिल सके, इसके लिए जिला प्रशासन रायपुर द्वारा खसरा नंबरों को एग्रीस्टेक पोर्टल से लिंक करने की विशेष पहल शुरू की गई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश और अपर कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में सभी तहसीलों में राजस्व शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां किसानों को लिंकिंग प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। किसान अपने खसरा नंबरों को एग्रीस्टेक पोर्टल से कॉमन सर्विस सेंटर, धान उपार्जन समितियों या स्वयं ऑनलाइन माध्यम से भी लिंक कर सकते हैं। 20 नवंबर 2025 से जारी इन शिविरों में कृषि विस्तार अधिकारी एवं राजस्व अमला निरंतर उपस्थित रहकर किसानों को मौके पर ही लिंकिंग की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। तहसीलदार एवं अन्य राजस्व अधिकारी पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही स्नक्र शेष खसरा नंबर वाले भूमिस्वामियों को कॉल सेंटर के माध्यम से सूचना देकर शिविरों में आने और प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री ने स्कूलों में ऑनलाइन बायोमेट्रिक उपस्थिति किया अनिवार्य

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में रायपुर संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आज महासमुंद के जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में ली । बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा विभाग सिद्धार्थ कोमल परदेशी, आयुक्त समग्र शिक्षा डॉ. प्रियंका शुक्ला सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, डीईओ, डीएमसी, बीईओ एवं बीआरसी उपस्थित रहे। मंत्री श्री यादव ने सभी जिलों को अगले तीन वर्षों के लिए एक समग्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की जाए। उन्होंने बताया कि समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए विभाग द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। साथ ही डीईओ, बीईओ और बीआरसी अधिकारियों को विद्यालयों के नियमित निरीक्षण, दौरा चार्ट तैयार करने और उसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार हो सके। वार्षिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए मंत्री यादव ने कक्षा 10 वीं का परिणाम 85 प्रतिशत तथा 12 वीं का परिणाम 90 प्रतिशत लाने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल उत्तीर्ण तक सीमित नहीं रहे बल्कि विद्यार्थियों को उच्च श्रेणी में उत्तीर्ण कराना है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा के धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सल्का और ग्राम बन्ना स्थित धान खरीदी केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने खरीद व्यवस्था, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, तौल मशीनों, मापक उपकरणों और धान उपार्जन से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया का सूक्ष्म निरीक्षण किया।इस दौरान मंत्री राजवाड़े ने केंद्र में उपस्थित किसानों से संवाद स्थापित कर उनकी सुझाव और जरूरतों के बारे में जानकारी ली। किसानों ने बताया कि शासन की ओर से की गई व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं तथा उन्हें धान बेचने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आ रही है। मंत्री ने समर्थन मूल्य, तुलाई की गति, बारदाना उपलब्धता और परिवहन की स्थिति पर भी किसानों से विस्तृत फीडबैक प्राप्त किया।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के धान की समयबद्ध, पारदर्शी और व्यवस्थित खरीदी के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों की उपज का सही मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीदी केंद्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की सतत मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत कार्यवाही सुनिश्चित हो।निरीक्षण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वासु कोचिंग के मालिक वासु चंद्रा ने की आत्महत्या,पत्नी को बताया जिम्मेदार

रायपुर। राजधानी रायपुर में संचालित वासु कोचिंग के मालिक वासु चंद्रा ने दोपहर अपने घर में आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के पूर्व वासु चंद्रा ने एक विडियो बनाया है जिसमें उसने अपने आत्महत्या के लिए अपनी पत्नी को जिम्मेदार ठहराया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार वासु कोचिंग सेंटर के स्टॉफ जब शुक्रवार दोपहर उनके शैलेन्द्र नगर स्थित घर पहुंचे तो देखा कि वासुदेव को फांसी के फंदे पर लटक रहे थे।

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में नई सिंचाई तकनीक 'प्रेशर इरिगेशन नेटवर्क' की प्रस्तुति का किया अवलोकन

छत्तीसगढ़ में भी इस तकनीक के उपयोग को सुनिश्चित किया जाएगा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा ने आज भोपाल में सिंचाई की नवीनतम तकनीक के संबंध में विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि पारंपरिक सिंचाई पद्धतियों की तुलना में यह प्रणाली कहीं अधिक कुशल, आधुनिक और जल संरक्षण के अनुरूप है। अपर मुख्य सचिव श्री राजौरा ने प्रस्तुति के दौरान बताया कि जहाँ पारंपरिक नहर आधारित सिंचाई में लगभग 35 प्रतिशत एफिशिएंसी प्राप्त होती है, वहीं प्रेशर इरिगेशन प्रणाली में दक्षता बढ़कर 65 प्रतिशत तक पहुँच जाती है। इस तकनीक में प्रेशर आधारित पाइपलाइनों से सिंचाई की जाती है, जिससे पानी का रिसाव और अपव्यय कम होता है तथा बिजली की उल्लेखनीय बचत होती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रणाली में भू-अधिग्रहण की आवश्यकता न्यूनतम होती है, जिससे परियोजनाएं समय पर और लागत प्रभावी तरीके से पूरी की जा सकती है। प्रस्तुति में उल्लेख किया गया कि मध्यप्रदेश में 13 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में इस तकनीक से सिंचाई की जा रही है और आगामी वर्षों में इसे 40 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करने का लक्ष्य है। इस मॉडल से न केवल जल उपयोग दक्षता बढ़ी है, बल्कि किसानों की उत्पादकता और सिंचाई सुविधा में भी महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रेजेंटेशन की सराहना करते हुए कहा कि सिंचाई की यह उन्नत तकनीक जल प्रबंधन की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उन्होंने कहा, हम इस तकनीक का छत्तीसगढ़ में भी अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करेंगे, ताकि राज्य के किसानों को कम पानी में अधिक सिंचाई सुविधा और बेहतर उत्पादन मिल सके। जल संरक्षण, ऊर्जा बचत और त्वरित क्रियान्वयन के दृष्टिकोण से यह तकनीक अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इस तकनीक

के माध्यम से भूमि अधिग्रहण किए बिना भी सिंचाई का लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विभागीय अधिकारियों को इस तकनीक के अध्ययन, परीक्षण और चरणबद्ध क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता श्री विनोद देवड़ा, अधीक्षण यंत्री श्री विकास राजोरिया और अधीक्षण यंत्री श्री शुभंकर विश्वास भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पारंपरिक नहर आधारित सिंचाई में पानी का एक बड़ा हिस्सा रिसाव, वाष्पीकरण और अनियंत्रित बहाव के कारण व्यर्थ हो जाता है, जिससे खेतों तक वास्तविक जल आपूर्ति सीमित रहती है और पूरी कमांड एरिया में समान सिंचाई नहीं हो पाती। सामान्यत: पारंपरिक प्रणाली की कुल सिंचाई दक्षता केवल 35 प्रतिशत मानी जाती है। वहीं दूसरी ओर प्रणाली में पानी पाइपलाइनों के माध्यम से नियंत्रित दबाव के साथ सीधे खेतों तक पहुँचाया जाता है, जिससे पानी का अपव्यय लगभग शून्य हो जाता है। इस तकनीक से सिंचाई दक्षता बढ़कर 65 प्रतिशत से अधिक हो जाती है, जो जल संरक्षण और उत्पादन बढ़ाने दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पीआईएन प्रणाली में सिंचाई पूरी तरह पाइपलाइन आधारित होने के कारण नहर निर्माण की आवश्यकता कम हो जाती है और भू-अधिग्रहण भी न्यूनतम होता है। इससे परियोजनाओं की लागत घटती है और कार्य समय पर पूरे होते हैं। पारंपरिक सिंचाई की तुलना में इस तकनीक में पंपिंग दक्षता अधिक होती है, जिससे बिजली की उल्लेखनीय बचत होती है। समान दबाव से पानी वितरण होने के कारण खेतों के टेल एंड के क्षेत्रों को भी पर्याप्त पानी मिलता है।

नॉन-ट्रेसेबल सर्टिफिकेट और पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट को ऑटो-डिजिटल करने की मांग...

■ इंश्योरेंस क्लेम और चोरी मामलों में राहत का रास्ता: सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पुलिस प्रक्रियाओं के ऑटो-डिजिटल परिवर्तन की माँग की

रायपुर। संवाददाता

लोकसभा के शीतकालीन सत्र में आज एक बार फिर रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संवेदनशील, दूरदर्शी और जन-केंद्रित नेतृत्व का परिचय देते हुए लाखों नागरिकों से जुड़ी एक बेहद महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समस्या को जोरदार ढंग से उठाया। आज शून्यकाल में सांसद अग्रवाल ने भारत सरकार और गृह मंत्रालय से मांग की कि इंश्योरेंस क्लेम, चोरी के मामलों और अप्राकृतिक मृत्यु की स्थितियों में आवश्यक नॉन-ट्रेसेबल रिपोर्ट एवं पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट जारी करने की संपूर्ण पुलिस प्रक्रिया को पूरी तरह ऑटो-डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए, ताकि पीड़ित परिवारों को किसी भी प्रकार की देरी, भ्रष्टाचार या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। सदन में सांसद अग्रवाल ने अत्यंत संवेदनशील शब्दों में कहा कि, जब किसी परिवार में अप्राकृतिक मृत्यु होती है, परिवार दुख से टूटा होता है; ऐसे समय में उन्हें दस्तावेज़ों के लिए चक्कर लगवाना केवल अमानवीय ही नहीं, बल्कि अन्याय भी है।'' इसी प्रकार चोरी की घटनाओं में लोगों को नॉन-ट्रेसेबल सर्टिफिक्रेट प्राप्त करने हेतु लंबी,

थकाऊ और कई बार भ्रष्टाचार से ग्रस्त प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिससे इंश्योरेंस क्लेम महीनों तक अटक जाते हैं। सांसद ने स्पष्ट कहा कि, यदि इन प्रक्रियाओं को पूर्णत: डिजिटल कर दिया जाए तो मानवीय हस्तक्षेप समाप्त होगा और शोषण की गुंजाइश स्वत: खत्म हो जाएगी। उन्होंने इस मुद्दे की गंभीरता बताते हुए कहा कि यह केवल किसी एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की प्रणालीगत विफलता है। इसी कारण राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को रिश्वतखोरी के मामलों में स्वत: संज्ञान लेते हुए कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों चीफ सेक्रेट्री और डीजीपी को नोटिस तक जारी करना पड़ा था। सांसद ने कहा कि यह घटनाएं बताती हैं कि तकनीक आधारित सुधार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता हैं। सांसद अग्रवाल ने गृह मंत्रालय के समक्ष एक व्यवहारिक समाधान रखते हुए प्रस्ताव दिया कि— इन सभी सेवाओं को क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम से जोड़ा जाए। पुलिस द्वारा जारी सभी रिपोर्टों की ऑटो-डिलीवरी के माध्यम से सीधे पीड़ितों के मोबाइल फोन पर उपलब्ध कराई जाए।

साहू समाज के राज्य स्तरीय 34 वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन का किया शुभारंभ

■ मां कर्मा मंदिर के जीर्णोद्धार एवं डोम शेड का लोकार्पण, समाज की प्रगति को बताया प्राथमिकता

■ रक्तदान शिविर में 30 लोगों ने किया रक्तदान, रक्तवीरों को हेलमेट भेंट की गई

रायपुर/ संवाददाता

साहू समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक धरोहर और युवा सशक्तिकरण को समर्पित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन आज राजनांदगांव के साहू सदन में हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जहाँ समाजजनों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने साहू सदन परिसर में निर्मित मां कर्मा मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य और नव-निर्मित डोम शेड का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मां कर्मा हमारी आस्था का केंद्र हैं। मंदिर का जीर्णोद्धार समाज में सांस्कृतिक संरक्षण और मूल्यबोध को सुदृढ़ करेगा। उन्होंने समाजजनों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल सामाजिक एकता और सामूहिक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री ने मंच से संबोधित करते हुए कार्यक्रम में शामिल बड़ी संख्या में उपस्थित युवक-युवतियों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि युवाओं के सामने अपार संभावनाएं हैं। प्रतिस्पर्धा के इस युग में साहू समाज के युवा अपनी मेहनत और योग्यता से प्रदेश और देश में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। समाज, सरकार और परिवार सब मिलकर यदि दिशा दें तो दुनिया की कोई शक्ति उन्हें रोक नहीं सकती।उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे परिचय सम्मेलन युवाओं को एक-दूसरे को समझने, संवाद बनाने और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ नए जीवन की शुरुआत के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित वरिष्ठ अतिथियों ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने समाज में शिक्षा, जागरूकता, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। कार्यक्रम में आमंत्रित सभी अतिथियों ने इस तरह के आयोजन को समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया और इसे निरंतर जारी रखने की आवश्यकता जताई।

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है - किरण देव

■ प्रदेश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योजना शुरू होने से अब तक 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार के दो साल के पूरे होने जा रहे कार्यकाल को संकल्पों की सिद्धि और उपलब्धियों का प्रामाणिक दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के

हर गरीब के सिर पर पक्की छत का जो संकल्प भाजपा ने विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी में व्यक्त किया था, वह गारंटी पूरी करके प्रदेश सरकार ने विश्वसनीयता अर्जित की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के दो साल के महत्वपूर्ण निर्णयों एवं उपलब्धियों का विस्तार से जिक्र कर बताया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक आयोजित कर मोदी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रदेश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योजना शुरू होने से अब तक 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2016-26 तक कुल प्राप्त लक्ष्य 26,27,223 आवासों के विरुद्ध 24,22,571 आवासों की स्वीकृति कर 16,72,002 हितग्राहियों के आवासों को पूर्ण कराया जा चुका है। आवास निर्माण की गति बढ़ाते हुए लगभग 2,000 आवास प्रतिदिवस निर्माण किया जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ देश में प्रथम

समूचे राष्ट्र में नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर- संतोष पांडेय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हुए कार्य को 'आंतरिक सुरक्षा का स्वर्णकाल' बताया है। भाजपा सांसद श्री पाण्डेय ने शुक्रवार को लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा, 'मैं छत्तीसगढ़ की ओर से सरगुजा से लेकर के पूरे बस्तर संपूर्ण छत्तीसगढ़ की ओर से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। भारत के इतिहास में आंतरिक सुरक्षा पर जब भी लिखा जाएगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा के गौरव पथ निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

गौरव पथ शहर के भविष्य को गति देने वाला विकास मार्ग है-उपमुख्यमंत्री

■ कवर्धा में विकास की बड़ी सौगात, 10.73 करोड़ की लागत से राजनांदगांव बायपास से नवीन बाजार तक बनेगा गौरव पथ

रायपुर/ संवाददाता

कवर्धा शहर के विकास को नई ऊँचाई देते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज 10 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से बनने वाले बहुप्रतिक्षित राजनांदगांव बायपास (पिलारी नहर) से नवीन बाजार तक गौरव पथ निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में सांसद श्री संतोष पाण्डेय भी उपस्थित रहे। इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना के साथ कवर्धा के विकास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में शहर अब तेज़ी से उस दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहां आधुनिक सुविधाएं, सुदृढ़ सड़कें, बेहतर यातायात और सुनियोजित शहरी विकास कवर्धा की पहचान होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि गौरव पथ केवल एक सड़क नहीं, बल्कि कवर्धा शहर के भविष्य को गति देने वाला विकास का मार्ग है। लोहारा रोड बायपास से नवीन बाजार तक बनने वाला यह मार्ग शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाएगा, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाएगा और शहर की सुंदरता को नई चमक देगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और सांसद संतोष पाण्डेय के प्रयासों से कवर्धा को मिली यह सौगात आने वाले वर्षों में शहर के समग्र विकास की सबसे मजबूत नींव साबित होगी। यह परियोजना कवर्धा को एक विकसित, सुव्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस अवसर पर अध्यक्ष कृषक कल्याण बोर्ड श्री सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, श्री राजेन्द्र चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, श्री अशोक साहू, पूर्व विधायक सियाराम साहू, श्री मोतीराम

चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुष्मा बघेल, श्री अनिल सिंह ठाकुर एवं श्रीमती सतविंदर पाहुजा, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सांसद श्री संतोष पाण्डेय के अथक प्रयासों से गौरव पथ निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि कवर्धा शहर में दो आधुनिक चौपाटियों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही भारत माता चौक से समनापुर तक 2 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि रायपुर, बिलासपुर एवं राजनांदगांव से कवर्धा आने वाले प्रवेश मार्ग का चौड़ीकरण तथा इसे फोर-लेन डिवाइडर युक्त सड़क के रूप में विकसित करने हेतु 54 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। नया बस स्टैंड एवं मेडिकल कॉलेज को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए घोटिया रोड सहित गौरव पथ के दोनों मार्गों का उन्नयन किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा को मेडिकल कॉलेज की एक बड़ी सौगात मिली है। इसके लिए 42 एकड़ भूमि आरक्षित कर ली गई है तथा लगभग सवा 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। मेडिकल कॉलेज में 50 सीटों हेतु तैयारी की जा रही है और 60 पदों की स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए पिपरिया एवं तरेगांव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हेतु 52ङ्क52 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। बच्चों के लिए 50-सीटर क्रिटिकल केयर अस्पताल, जिला अस्पताल की क्षमता 100 से बढ़ाकर 220 बिस्तर, तथा सीटी स्कैन सेवा प्रारंभ की गई है। बोडला में सोनोग्राफी सेवा आरंभ की गई है। पिपरिया सहित दो स्थानों पर एंबुलेंस की सुविधा भी प्रारंभ की गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य एवं युवा कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

संपादकीय

सार्वजनिक बसों में लगातार बढ़ रहे हादसे?

पिछले कुछ समय के दौरान सार्वजनिक बसों के हादसे के कई मामले सामने आए, जिनमें आग लगने से यात्री जिंदा जल गए। ऐसी घटनाओं को हादसा मान कर ही देखा गया और सरकार ने इनकी जांच कराने और हताहतों या उनके परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा करके औपचारिकता पूरी कर ली। मगर जब एक ही तरह की दुर्घटनाएं लगातार होने लगें, तो इस पर भी विचार करने की जरूरत होती है कि इनकी तह में क्या वजह छिपी हो सकती है।अव्वल तो वाहन सुरक्षित चलाने से लेकर सामान रखने की जगह और बस के भीतर आवाजाही के रास्ते निर्बाध रखने जैसी सावधानी को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की होनी चाहिए। अगर इसमें लापरवाही बरती जाती है, तो उसकी जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी सरकार के संबंधित महकमे तथा अधिकारियों की है। मगर ऐसा लगता है कि हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती जाती है और यात्रियों के जीवन की कोई परवाह नहीं की जाती। सवाल है कि ऐसी स्थिति कैसे आती है कि किसी बस में आग लग जाने पर यात्रियों को निकलने तक का मौका नहीं मिलता और वे अपनी या किसी अन्य की जान बचाने के लिए कुछ नहीं कर पाते।इसी मसले पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, यानी एनएचआरसी की एक पीठ ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को नोटिस जारी किया है तथा राज्यों के मुख्य सचिवों को सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली बसों को हटाने का निर्देश दिया। दरअसल, यह शिकायत दर्ज कराई गई थी कि सार्वजनिक बसों के डिजाइन में गंभीर खामी यात्रियों की जान को खतरे में डाल रही है। ऐसी खबरें भी आई कि हादसे या आग लगने के बाद बस का स्वचालित दरवाजा जाम हो गया और इसकी वजह से लोग भीतर ही फंस गए।इसके अलावा, बस में जरूरत से ज्यादा भार, आपातकालीन दरवाजे या खिड़कियों का नहीं होना या फिर बेकाम होना जैसी अनेक लापरवाहियां यात्रियों की मौत की वजह बनती हैं। आखिर डिजाइन में गंभीर खामी वाली बसें जोखिम भरी स्थितियों में सड़क पर निर्बाध दौड़ती हैं, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? आए दिन यात्री बसों में आग लगने और लोगों की मौत की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए इस पर विचार और ठोस कार्रवाई बेहद जरूरी है।

दिव्यांग लोगों के बारे में बढ़ानी होगी जागरूकता

सरकार द्वारा देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनायी गयी है। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगो के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। समाज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

(रमेश सर्राफ धमोरा)

संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्टीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी।सरकार द्वारा देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनायी गयी है। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगो के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है। इसको मानाने का उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिकर नहीं हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांगशब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्धारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा जाता है। भले ही देश में अनेको दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है।

दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण मिलेंगे जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगो की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षो बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। ऐसे में दिव्यांगो के लिए सरकारी सुविधाएं हासिल करना महज मजाक बनकर रह गया हैं। दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दाई टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूकबधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्टीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। भारत विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट कन्वेंशन का एक पक्ष है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग 6 करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएँ हैं।

यह एक कड़वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व स्तर पर 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ रहती है। जबकि उसमें से 80 प्रतिशत से अधिक लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। जबकि भारत में 140 करोड़ से अधिक लोग है। इस आबादी का 2.2 प्रतिशत से अधिक लोग किसी न किसी रूप में गंभीर मानसिक या शारीरिक विकलांगता से पीड़ित हैं। आज के प्रगतिशील युग में जहाँ सभी लोगों के एकीकरण और समावेशन पर सतत विकास के प्रवेश द्वार के रूप में जोर दिया जाता है। भारत में विकलांग लोगों को वर्गीकृत करने वाले मानदंडों की सूची को 2016 में नया रूप दिया गया था। 2016 के आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम पर आधारित संशोधित परिभाषा में एसिड हमलों से संबंधित शारीरिक विकृति और चोटों को विकलांगता के रूप में मान्यता देना भी शामिल है। जो इन पीड़ितों को विभिन्न प्रकार की सरकारी सहायता और समर्थन का हकदार बनाता है ।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदण्ड बनाये हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक उनके अनुसार दिव्यांगो को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते है। जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधायें पाने से वचिंत रह जाते हैं।

देश में दिव्यांगो को दी जाने वाली सुविधाएं कागजों तक सिमटी हुई हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां दिव्यांगो को एक चौथाई सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। केन्द्र सरकार ने देशभर के दिव्यांग युवाओं को केन्द्र सरकार में सीधी भर्ती वाली सेवाओं के मामले में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में दिव्यांगता या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट देकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। दिव्यांगता शारीरिक अथवा मानसिक हो सकती है किन्तु सबसे बड़ी दिव्यांगता हमारे समाज की उस सोच में है जो दिव्यांग जनों से हीन भाव रखती है। जिसके कारण एक असक्षम व्यक्ति असहज महसूस करता है। अब दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच को बदलने का समय आ गया है। दिव्यांगो को समाज की मुख्यधारा में तभी शामिल किया जा सकता है जब समाज इन्हें अपना हिस्सा समझे। इसके लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है। हाल के वर्षो में दिव्यांगो के प्रति सरकार की कोशिशों में तेजी आयी है। दिव्यांगो को कुछ न्यूनतम सुविधाएं देने के लिए प्रयास हो रहे हैं। हालांकि योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सरकार पर सवाल उठते रहे हैं। पिछले दिनों क्रियान्वयन की सुस्त चाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार भी लगायी थी। दिव्यांगो को शिक्षा से जोडना बहुत जरूरी है। मूक-बधिरों के लिए विशेष स्कूलों का अभाव है। जिसकी वजह से अधिकांश विकलांग ठीक से पढ़-लिखकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते हैं। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

एक्यूआई 300 से 500 हेल्थ इमरजेंसी! जहरीली हवा फेफड़ों, दिमाग, फर्टिलिटी-इम्यूनिटी पर कर रही वार

(शाहिन नूर)

भारत की राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता 2013 के बीजिंग की स्मॉग इमरजेंसी से कम खतरनाक नहीं है। लगातार बढ़ते प्रदूषण के स्तर ने हालात इतने बिगाड़ दिए हैं कि कई इलाकों में एक्यूआई गंभीर और खतरनाक श्रेणी यानी 300 से 500 में बना हुआ है। जहरीली हवा के कारण बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और दमा और दिल के मरीजों की दिक्कतें तेजी से बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 और पीएम10 कण तय सीमा से 8-10 गुना अधिक पहुंच चुके हैं, जो शरीर के फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश करके सूजन, सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, सिरदर्द और ब्लड प्रेशर बढ़ाने जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर रहे हैं। हवा की गुणवत्ता में फिलहाल तेजी से सुधार के संकेत नहीं दिख रहे लेकिन लोगों को इससे बचाव करना जरूरी है।

एक्यूआई यानी एयर क्वालिटी इनडेक्स जिसे हिंदी में वायु गुणवत्ता सूचकांक कहा जाता है। यह एक मानक पैमाना है, जिसकी मदद से यह पता लगाया जाता है कि किसी इलाके की हवा कितनी स्वच्छ या कितनी जहरीली है। एक्यूआई को 0 से 500 के स्केल पर मापा जाता है, 300 से ज्यादा एक्यूआई सेहत के लिए खतरा है।

हेल्थ कोच ल्यूक कोटिन्हो ने बताया हवा में घुले छोटे-छोटे जहरीले कण हमारे फेफड़ों में जाकर खून तक पहुंच जाते हैं और शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं। सूक्ष्म जहरीले कण हमारे फेफड़ों में घुसकर, खून में मिलकर, हमारे शरीर के उन अंगों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहे हैं जिनकी बदौलत हम जिंदा हैं। एक्सपर्ट ने बताया ये जहरीली हवा सिर्फ फेफड़ों को ही नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि दिल, दिमाग, फर्टिलिटी और इम्यूनिटी को भी प्रभावित करती है।

आज बढ़ती थकान, लगातार खांसी, सिरदर्द, सूजन, सांस की दिक्कत बढ़ते प्रदूषण का परिणाम हैं। इन सभी परेशानियों से बचाव करना चाहते हैं तो आप चेहरे पर मास्क लगाएं, बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।

बढ़ता प्रदूषण दिल, दिमाग मस्तिष्क,फर्टिलिटी और इम्यूनिटी पर असर डालता है, ऐसे में आप प्रदूषण से बचाव करने के लिए घर से बाहर निकलते हुए एन95 या एन99 मास्क का इस्तेमाल करें। ये मास्क हवा में मौजूद सूक्ष्म पीएम 2.5 कणों को 95 प्रतिशत तक फ़िल्टर कर देता हैं। गमछा या दूसरे मास्क प्रदूषण को नहीं रोक पाते। बच्चों, बुजुर्गों और दमा, एलर्जी या दिल के मरीजों के लिए मास्क का इस्तेमाल करना जरूरी है। मास्क पहनने से फेफड़ों, दिल और दिमाग पर प्रदूषण का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता है।

प्रदूषण के समय आउटडोर वॉक, रनिंग, साइकिलिंग और योग जैसा व्यायाम करने से बचना चाहिए, क्योंकि सांस तेज चलने के कारण ज्यादा जहरीली हवा फेफड़ों में जाती है। आप ऐसी दूषित हवा से बचने के लिए घर में ही हल्की स्ट्रेचिंग, योग, प्राणायाम और ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। अगर जिम जाना जरूरी हो तो एसी और एयर-प्यूरीफाई एरिया चुनें। इससे फेफड़ों पर भार कम पड़ता है और प्रदूषण से होने वाला नुकसान सीमित रहता है।

घर की हवा भी प्रदूषण से प्रभावित होती है। इसलिए एचईपीए फिल्टर वाले एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। खिड़कियां केवल दोपहर में कुछ देर ही खोलें जब प्रदूषण कम हो। रोज़ाना फर्श पर गीला पोछा लगाएं ताकि धूल उड़ने न पाए। कमरे में एलोवेरा, स्नेक प्लांट या मनी प्लांट जैसे एयर-प्यूरिफाइंग पौधे रखें। ये उपाय घर की इनडोर एयर क्वालिटी को बेहतर बनाते हैं। प्रदूषण शरीर में फ्री रेडिकल्स बढ़ाता है, जिससे फेफड़े और इम्यूनिटी कमजोर होती है। इसे रोकने के लिए अपनी डाइट में आंवला, नींबू, कीवी, संतरा, स्ट्रॉबेरी, अमरूद, हरी सब्जियां, हल्दी, गाजर, चुकंदर और अखरोट जैसे एंटीऑक्सीडेंट-समृद्ध खाद्य पदार्थ शामिल करें। ये शरीर में जमा हानिकारक तत्वों को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं और फेफड़ों की कोशिकाओं को सुरक्षा प्रदान करते हैं। धूम्रपान पहले से ही फेफड़ों को कमजोर करता है और प्रदूषण इसका प्रभाव कई गुना बढ़ा देता है। शराब शरीर में सूजन और डिहाइड्रेशन बढ़ाती है, जिससे प्रदूषण का असर ज्यादा होता है। तैलीय और जंक फूड शरीर में टॉक्सिन बढ़ाते हैं और इम्यूनिटी घटाते हैं। इसलिए इस दौरान हल्का, घर का बना, आसानी से पचने वाला खाना खाएं। इससे शरीर प्रदूषण के प्रभावों से लड़ने में सक्षम होता है।

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मर्यादा'

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम 'असामान्य' है और 'स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर' है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि 'दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता'। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन– 'समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता', को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी 'कूटनीतिक संवेदनशीलता' के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को 'नोट' किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल 'असामान्य' ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मर्यादाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज़ करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता– विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज़ से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमार्श या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रुख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेज़बान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जहां न गया किसी का ध्यान, उसको संवारने के लिए झोंक दी जान

नेक इरादे, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं सामुहिक प्रयासों से जगमग हुआ मुक्तिधाम

फरसगांव। इन दिनों नगर पंचायत फरसगांव का मुक्तिधाम चर्चा का विषय है जहां पहले मुक्तिधाम की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता था वहीं आज नगर पंचायत फरसगांव के अध्यक्ष, सीएमओ सहित पूरा अमला मुक्तिधाम स्थल को संवारने में जुटा है नगर पंचायत टीम ने विगत कई महीनों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का सुधार करा कर मुक्तिधाम को रोशन किया है।

मुक्तिधाम जल्द बनेगा आदर्श मुक्तिधाम : प्रशांत पात्र

नगर पंचायत फरसगांव में एक मात्र मुक्तिधाम है प्रारंभ से ही इसकी सफाई और सुविधाओं को कम प्राथमिकता दी गई है जिसके कारण यहां अंत्येष्टि हेतु आने वाले नागरिकों को कोई सुविधा नहीं मिली है यह दृश्य अत्यंत पीड़ा देता है जबकि संविधान के अनुच्छेद 21 अंतर्गत सम्मानजनक मृत्यु संस्कार मौलिक अधिकार में शामिल है हमने तय किया है कि मुक्तिधाम किसी वार्ड का नहीं पूरे नगर का है इसको संवारने में, स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने के लिए काम करेंगे और इस दिशा में सीएमओ सहित पूरी टीम गंभीरता से कार्य कर रही है अब वो दिन दूर नहीं जब हमारा मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण का केंद्र बनेगा, स्थानीय नागरिक औपचारिकता से नही स्वाभिमान से मृत्यु संस्कार कर सकेंगे।

मुक्तिधाम को सुविधापूर्ण बनाने में नगर पंचायत टीम का कार्य सराहनीय : प्रवीर सिंह बदेशा

नगर पंचायत फरसगांव की पूरी टीम इन दिनों मुक्तिधाम को सुविधापूर्ण बनाने में लगी है मुक्तिधाम ही नहीं नगर के ऐसे स्थल जो कभी स्वच्छता से वंचित थे वहां आज नियमित सफाई से नगर का सौंदर्य बढ़ा है वास्तव में मुक्तिधाम में पानी, प्रकाश व्यवस्था, अपशिष्टों का सुविधाजनक निपटान की सुविधा होनी चाहिए इस दिशा में अब नगर पंचायत टीम ने कार्य किया है विगत कई महीनों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का सुधार कराया है मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं।

क्या कहते है सीएमओ - मयंक बसंतवानी सीएमओ फरसगांव ने बताया कि नगर पंचायत फरसगांव के सभी जनप्रतिनिधियों तथा हमारे सभी स्वच्छता कर्मियों के सहयोग से मुक्तिधाम स्थल की सफाई कराई गई है अन्य सार्वजनिक स्थलों की भांति अब मुक्तिधाम में भी नियमित सफाई होगी।

विधायक लता उसेंडी ने चौड़ग में 7 करोड़ 18 लाख के सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने ग्राम चौड़ग में 07 करोड़ 18 लाख रुपए की लागत के चौड़ग से ग्राम चलका तक कुल 06 किलो मीटर लंबाई के सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। विधायक उसेंडी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों में पक्की सड़क मार्ग के निर्माण से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा होगी और विकास कार्यों में गति आएगी। विधायक लता उसेंडी द्वारा कार्यक्रम में दिव्यागजनों को 01 व्हील चेयर, 01 बैसाखी और 03 श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। इस दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव, प्रौद्योगिकी विभाग, श्रम विभाग, सी ए टी भारत गैस एजेंसी कोण्डागांव, जिला स्वास्थ्य समिति कोण्डागांव और वन विभाग द्वारा शिविर लगाई गई। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जितेन्द्र सुराना, जनपद सदस्य मानबती कोर्राम, संतोष पात्रे, अश्वनी पाण्डे, आसमन नेताम, रिषभ देवांगन, प्रदीप नाग, विकास दुआ, नागेश देवांगन, शीतल पटेल, जैनेन्द्र ठाकुर, पार्षद सोनामणि पोयाम, संतोष सिंह, लक्ष्मी ध्रुव, सुष्मा खोब्रागड़े, डोके राम नेताम, मंगलू राम नेताम, चुन्नीबाई शोरी, रूपती कोर्राम, मंगनी बाई, नेताम, दयाबती मरावी, रामलाल सलाम, आसमन नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बस्तर में मनाया गया सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

शहीदों को नमन करने सहित पूर्व सैनिकों का किया गया सम्मान

जगदलपुर। देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों के पुण्य स्मरण और उनके परिवारों के कल्याण के लिए बस्तर जिले में रविवार 07 दिसंबर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पूरे सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर और जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक के प्रभारी अधिकारी कर्नल एके कर, सर्जन कमाण्डर जॉनसन एवं दंत चिकित्सक डॉ. अभिषेक सिंह पठानिया को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा ध्वज प्रतीक (फ्लैग प्रतीक) लगाकर किया गया। इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में द्वितीय विश्व युद्ध की नान पेंशनर महेश्वरी वानखड़े एवं वानो बाई को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें विशेष निधि से 10 हजार रुपए का धनादेश भी सौंपा गया। पूरे बस्तर संभाग से पूर्व सैनिक एवं पूर्व सैनिकों के परिजनों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष कलेक्टर हरिस एस ने सभी नागरिकों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा यह कोष हमें अपने बहादुर शहीदों के आश्रितों, भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास और कल्याण को सुनिश्चित करने का अवसर देता है। राष्ट्र के इन सच्चे नायकों के प्रति आभार व्यक्त करने का यह हमारा कर्तव्य है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य सशस्त्र सेनाओं के कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए धन एकत्र करना है, विशेषकर उन लोगों के लिए जिन्होंने देश की सेवा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। यह दिन हमें सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उनकी वीरता को याद करने की प्रेरणा देता है।हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इस पुण्य कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और राष्ट्र के इन सच्चे सेवकों के परिवारों के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

कोण्डागांव की बेटियां हॉकी स्टीक से साध रही लक्ष्य

संभाग स्तरीय बस्तर ओलम्पिक में मर्दापाल क्षेत्र की बेटियां हॉकी में दिखाएंगी अपना जौहर

कोण्डागांव। कभी माओवाद हिंसा के कारण भय और असुरक्षा के लिए पहचाने जाने वाला कोंडागांव जिला का मर्दापाल क्षेत्र खेल के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। यहां की बेटियां हॉकी के मैदान पर अपनी मेहनत और हौसलों के दम पर जिले का नाम रोशन कर रही हैं। मर्दापाल क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांवों से आने वाली छात्राएं अब बस्तर ओलम्पिक जैसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मर्दापाल में अध्ययनरत और प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाली संगीता कश्यप पिछले तीन वर्षों से हॉकी खेल रही हैं। वनांचल ग्राम कुदुर की रहने वाली संगीता बताती हैं कि हॉकी ने उन्हें हिम्मत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण सिखाया है। पढ़ाई के साथ खेल को संतुलित करते हुए वे एक दिन राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने का सपना देखती हैं। इसी विद्यालय में कक्षा सातवीं की छात्रा रमली कश्यप भी प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास में रहकर अपनी शिक्षा और खेल दोनों संवार रही हैं। ग्राम कुधुर से ताल्लुक रखने वाली रमली जब पांचवीं कक्षा में थीं, तभी उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया। वह हंसते हुए बताती हैं एक दिन मैं होस्टल के बगल वाले मैदान में गई, जहां हमारी सीनियर दीदी हॉकी खेल रही थीं। उन्हें देखकर मैंने भी हॉकी उठाई और फिर यह खेल मेरी पसंद बन गया। कांति बघेल, कक्षा 8वीं, प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास की ही एक अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। वे ग्राम बड़े कुरुशनार की रहने वाली हैं। खेल के प्रति उनका समर्पण उन्हें प्रतिदिन अभ्यास के लिए प्रेरित करता है। कक्षा सातवीं की दीपा कश्यप भी ग्राम कुधुर से आने वाली एक और उभरती हुई खिलाड़ी हैं। दीपा अपने खेल प्रदर्शन से टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी तरह ग्राम दिगानार की सुनीता नेताम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मर्दापाल में अध्ययनरत हैं और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहले भी खेल चुकी हैं। सुनीता का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करें। कक्षा 12 वीं की छात्रा सुलंती कोर्राम बोरगांव की निवासी हैं। हॉकी की दुनिया में उनका अनुभव टीम के लिए बेहद उपयोगी है। सुलंती चार बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुकी हैं और झारखंड में आयोजित नेशनल हॉकी प्रतियोगिता में भी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनका कहना है खेल ने मुझे आगे बढ़ने का हौसला दिया है। मैं चाहती हूं कि हमारे गांव की और भी लड़कियां खेल के माध्यम से खुद को आगे लाएं। इसी कक्षा में अध्ययनरत ग्राम कबेंगा की प्रिया नेताम भी कई बार स्टेट स्तर पर खेल चुकी हैं। उनका सपना है कि वे भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा बनें। कक्षा नौवीं की राजन्ती कश्यप, जो शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मर्दापाल में पढ़ती हैं, और कक्षा 10 वीं की खेमेश्वरी सोढ़ी ग्राम खोडसानार की उभरती खिलाड़ी हैं। दोनों छात्राएं निरंतर अभ्यास करते हुए आने वाली प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयासरत हैं।

इस बार हमारा लक्ष्य पहला स्थान - आने वाले दिनों में यह टीम फिर से संभाग स्तरीय बस्तर ओलम्पिक में हिस्सा लेने जा रही है। टीम के सभी सदस्य पूरे जोश और मेहनत के साथ तैयारी में जुटे हुए हैं। टीम की सभी खिलाड़ी एक सुर में कहती हैं इस बार हम प्रथम स्थान के साथ जिले का नाम रोशन करेंगे। बच्चों की इस तैयारी को देखकर माता-पिता बेहद उत्साहित हैं।

बस्तर ओलम्पिक सुदूर अंचल की प्रतिभा के लिए सुनहरा मंच

बस्तर संभाग में आयोजित होने वाला बस्तर ओलम्पिक सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उन प्रतिभाओं के लिए सुनहरा अवसर है जिन्हें पहले मैदान तो दूर, खेल की कल्पना तक मुश्किल थी। माओवाद को ख़त्म कर अंतिम व्यक्ति तक शासन की नीतियों को पहुंचाने और जनहितकारी योजनाओं से लोगों को जोड़ने की पहल ने आज आदिवासी अंचलों में छिपे प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान किया है। हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, तीरंदाजी जैसे अनेक खेलों में बच्चे बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। बीते वर्ष मर्दापाल की यह हॉकी टीम जिला स्तरीय बस्तर ओलम्पिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल कर चुकी है। इस सफलता ने न केवल बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ाया है बल्कि उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी गौरवान्वित किया है।

प्रधानमंत्री आवास कार्य में तीव्रता लाने ग्राम पंचायतों में कलस्टर बैठक संपन्न

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों को गति देने व अपूर्ण आवासों को अतिशीघ्र पूर्ण किए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोंडागांव द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर कलस्टर बैठक का आयोजन किया गया। विकासखण्ड में कुल 18 कलस्टर का चिन्हांकन किया गया है, जिसके सफल संपादन हेतु ब्लॉक स्तर पर नोडल व सहायक नोडल अधिकारी तथा 18 कलस्टर प्रभारी नोडल नियुक्त किया गया है। शुक्रवार को सभी कलस्टर प्रभारी अपने कलस्टर पर जाकर ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक व आवास मित्रो की बैठक लेकर योजना की प्रगति की समीक्षा की और अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण किए जाने हेतु निर्देश दिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से वर्ष 2016-23 एवं 2024-25 के अपूर्ण आवासों को पूर्ण करने तथा 2025-26 में स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य शुरू करने और वर्ष 2016-23 अपूर्ण आवास जिसे पूरा किया जाना संभव नहीं उसे ग्राम सभा से निरस्त किए जाने हेतु पंचायत-वार समीक्षा हुई साथ ही पंजीयन हेतु शेष पात्र हितग्राहियों का दस्तावेज जमा करने व अपात्र का ग्राम सभा प्रस्ताव जमा करने की समीक्षा, वर्ष 2024-25 व 2025-26 में प्रथम किश्त अप्राप्त सभी हितग्राहियों का खाता एनपीसीआई कराने व आधार अपडेट कराकर दस्तावेज जमा करने की समीक्षा।

संभाग आयुक्त सहित सर्व समाज ने किया बाबा साहेब को नमन कई ग्रामों में भी हुआ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

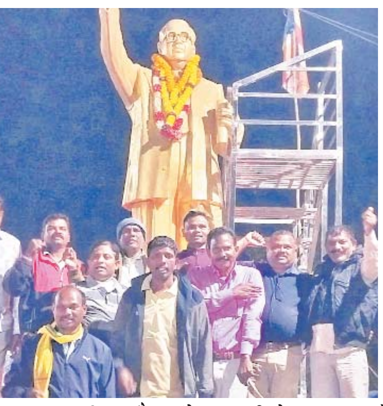

बीजापुर। भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ.बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर पारिवारिक कार्यक्रम मे पहुंचे संभाग आयुक्त महादेव कावरे ने नया बसस्टेण्ड बीजापुर स्थित डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर सपरिवार पहुंचकर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित कर उन्हे नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।वहीं जिला मुख्यालय मे सर्व समाज के लोगों ने भी प्रतिमा स्थल पर जाकर उन्हें नमन किया।इस मौके पर उपस्थित सामाजिक पदाधिकारियों ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने वंचित कमजोर शोषित वर्गों के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सामाजिक समानता को मजबूत करने का काम किया है। अंबेडकर जी ने महिला शिक्षा वा उनके उत्थान हेतु अनेक कार्य किये संविधान निर्माण कर उनको बराबरी का हक दिलाया।संविधान निर्माण मे उनकी भूमिका लोकतंत्र की नीव है।उनका संदेश शिक्षित बनो,संगठित रहो ,संघर्ष करो आज भी समाज को दिशा देने वाला है।कार्यक्रम मे अधिवक्ता लक्ष्मीनारायण गोटा, सर्व आदिवासी समाज के सचिव कमलेश पैकरा, उपाध्यक्ष पाकलू तेलम, परधान समाज के सुनील मर्सकोले, तेलंगा समाज से मंगल रोटेल, विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष सिरोज, महार समाज के अध्यक्ष अजय दुर्गम, आर डी झाड़ी, सतीश झाड़ी बसंत मामड़ीकर, कमलेश झाड़ी, कैलाश रामटेके, निषाद समाज के श्याम करकू सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खदान मजदूर संघ किरंदुल द्वारा एरियर्स की राशि एवं मकान आबंटन के लिए परियोजना वरिष्ठता को आधार बनाये जाने बाबत अधिशासी निदेशक को दिया गया पत्र

किरंदुल। खदान मजदूर संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल द्वारा सन 2022 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को एरियर्स की राशि प्रदाय करने एवं मकान आबंटन हेतु परियोजना वरिष्ठता को आधार बनाये जाने बाबत पत्र एनएमडीसी लिमिटेड, किरंदुल कॉम्पलेक्स के अधिशासी निदेशक को दिया गया है, जिसकी प्रतिलिपि आवश्यक आगामी कार्रवाई हेतु एनएमडीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, मुख्यालय हैदराबाद को प्रेषित की गई है। खदान मजदूर संघ के सचिव महेंद्र कुमार, राजेंद्र यादव, दानेश्वर जोशी द्वारा यह मांग पत्र सौंपा गया, जिसमें यह भी उल्लेखित है कि एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा दीपावली की पूर्व संध्या लंबित पुनरीक्षित वेतनमान की अनुमानित एरियर्स राशि की लगभग 75 फीसदी का भुगतान किया गया है, किन्तु एनएमडीसी के वे कर्मचारी जिनकी नियुक्ति 2022 के बाद हुई है (जिनमें एल-01, एल-02, एल-04 वर्ग के कर्मचारी सम्मिलित हैं), उन्हें अभी तक एरियर्स की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। अतः उन्हें लंबित एरियर्स की राशि तथा समस्त कर्मचारियों को एरियर्स की शेष राशि का भुगतान शीघ्रातिशीघ्र किया जाना सुनिश्चित किया जाये। खदान मजदूर संघ द्वारा यह भी मांग की गई है कि टाईप थ्री मकानों का आबंटन परियोजना वरिष्ठता के आधार पर किया जाये।

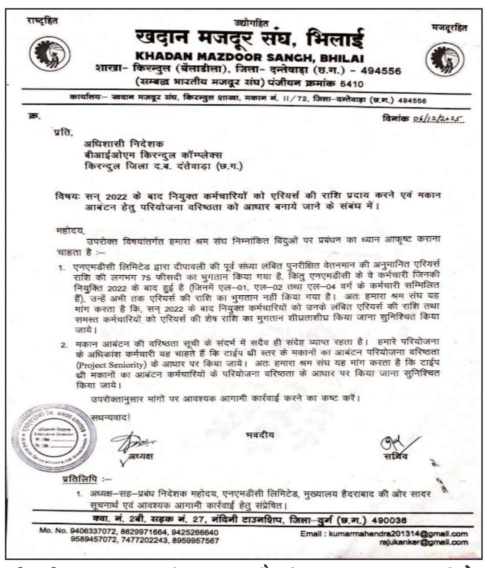
राष्ट्रहित उद्योगहित मजदूरहित
खदान मजदूर संघ, भिलाई
KHADAN MAZDOOR SANGH, BHILAI
शाखा- किरन्दुल (बैलाडीला), जिला- दन्तेवाड़ा (छ.ग.) - 494556
(सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) पंजीयन क्रमांक 5410
कार्यालय:- खदान मजदूर संघ, किरन्दुल शाखा, मकान नं. II/72, जिला-दन्तेवाड़ा (छ.ग.) 494556

क्र. दिनांक 06/12/2025

प्रति,
अधिशासी निदेशक
बीआईओएम किरन्दुल कॉम्प्लेक्स
किरन्दुल जिला द.ब. दंतेवाड़ा (छ.ग.)

विषयः सन् 2022 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को एरियर्स की राशि प्रदाय करने एवं मकान आबंटन हेतु परियोजना वरिष्ठता को आधार बनाये जाने के संबंध में।

महोदय,
उपरोक्त विषयांतर्गत हमारा श्रम संघ निम्नांकित बिंदुओं पर प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता है :-

1. एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा दीपावली की पूर्व संध्या लंबित पुनरीक्षित वेतनमान की अनुमानित एरियर्स राशि की लगभग 75 फीसदी का भुगतान किया गया है, किंतु एनएमडीसी के वे कर्मचारी जिनकी नियुक्ति 2022 के बाद हुई है (जिनमें एल-01, एल-02 तथा एल-04 वर्ग के कर्मचारी सम्मिलित हैं), उन्हें अभी तक एरियर्स की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। अतः हमारा श्रम संघ यह मांग करता है कि, सन् 2022 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को उनके लंबित एरियर्स की राशि तथा समस्त कर्मचारियों को एरियर्स की शेष राशि का भुगतान शीघ्रताशीघ्र किया जाना सुनिश्चित किया जाये।
2. मकान आबंटन की वरिष्ठता सूची के संदर्भ में सदैव ही संदेह व्याप्त रहता है। हमारे परियोजना के अधिकांश कर्मचारी यह चाहते हैं कि टाईप थ्री स्तर के मकानों का आबंटन परियोजना वरिष्ठता (Project Seniority) के आधार पर किया जाये। अतः हमारा श्रम संघ यह मांग करता है कि टाईप थ्री मकानों का आबंटन कर्मचारियों के परियोजना वरिष्ठता के आधार पर किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

उपरोक्तानुसार मांगों पर आवश्यक आगामी कार्रवाई करने का कष्ट करें।

सधन्यवाद!
भवदीय
अध्यक्ष सचिव

प्रतिलिपि :-
1. अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय, एनएमडीसी लिमिटेड, मुख्यालय हैदराबाद की ओर सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक आगामी कार्रवाई हेतु संप्रेषित।

क्वा. नं. 2बी, सड़क नं. 27, नंदिनी टाउनशिप, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490036
Mo. No. 9406337072, 8629971664, 9425266640, 9589457072, 7477202243, 8959957567
Email : kumarmahendra201314@gmail.com, rajukanker@gmail.com

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के द्वारा बंधा गार्डन में स्वच्छता अभियान चलाया गया

कोण्डागांव। नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोण्डागांव के द्वारा प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया जाता है इसी कड़ी में मुख्य नगरपालिका अधिकारी दिनेश डे के मार्गदर्शन में पूर्व सैनिकों एवं निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण ले रहे युवक-युवतियों के द्वारा बंधा गार्डन में अंदर और बाहर झाड़ू मारकर साफ-सफाई किया गया और जंगली घासों को काटा गया। बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा ने युवाओं को बताया कि साफ-सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता भी है। स्वच्छता जरूरी है क्योंकि साफ-सफाई से हम जीवन में आने वाली कई परेशानियों से मुक्ति पा सकते हैं। जिलाध्यक्ष सुरज यादव ने युवक एवं युवतियों को बताया कि स्वच्छता का अर्थ है सफाई से रहने की आदत।

सफाई से रहने से जहां शरीर स्वस्थ रहता है, वहीं स्वच्छता, तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है।

जनपद अध्यक्ष सुकालू ने पोटाली स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

किरन्दुल। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी ने पोटाली स्थित स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उनके इस आकस्मिक दौरे का मुख्य उददेश्य अस्पताल में मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जमीनी हकीकत जानना और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा निरीक्षण के दौरान मुड़ामी ने सबसे पहले अस्पताल परिसर और वार्डों का दौरा किया। उन्होंने वहां उपस्थित डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों से अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के स्टॉक, जांच उपकरणों की स्थिति और प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

संकुल केंद्र टिकनपाल में साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आंकलन परीक्षा का हुआ आयोजन

किरंदुल। उल्लास साक्षरता राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान के तहत कुआकोंडा तहसील के संकुल केंद्र टिकनपाल के प्रत्येक स्कूल में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आंकलन परीक्षा रविवार आयोजित कराया गया।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत दंतेवाड़ा जिले के शत प्रतिशत साक्षर करने जिले की साक्षरता दर बढ़ाने एवं जो पहले किन्हीं कारणों से पढ़ लिख नहीं पाए उनके लिए उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम इसी दिशा में राष्ट्रव्यापी पहल हैं। हम सब का उद्देश्य है कि हमारे दंतेवाड़ा जिले में गुणवत्तापुर बेहतर शैक्षणिक वातावरण बने प्रत्येक व्यक्ति पढ़े लिखे और छत्तीसगढ़ राज्य के लिए नवीन कीर्तिमान का राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहें। इस महापरीक्षा का अवलोकन करने आये जिला स्त्रोत समन्वयक हरीश गौतम, खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदोरिया सहायक सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर संकुल समन्वयक अजय कुमार साहू, रुखमणि नेताम एवं परीक्षार्थी मौजूद रहें।

जिला स्तरीय रैम्प संवेदनशीलता कार्यशाला का सफल आयोजन

कोण्डागांव। कोण्डागांव जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत निटकॉन लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से जिला स्तरीय रैम्प संवेदनशीलता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला ग्राम गिरोला में, तहसील व जिला कोण्डागांव में संपन्न हुई, जिसमें कुल प्रतिदिन 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमी, युवा व्यवसायी तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल रहीं। इस कार्यशाला का मुख्य उददेश्य उद्यमियों को सरकारी योजनाओं, तकनीकी प्रक्रियाओं, वित्तीय सुविधाओं, विपणन रणनीतियों एवं आधुनिक उद्योग विकास के स्वरूप से परिचित कराना था।

संक्षिप्त समाचार

मंडल में यात्री सुविधाओं का विस्तार ! मंडल के नागपुररोड पैसेंजर हाल्ट स्टेशन पर शुरू हुई एम-यूटीएस मोबाइल टिकटिंग सेवा

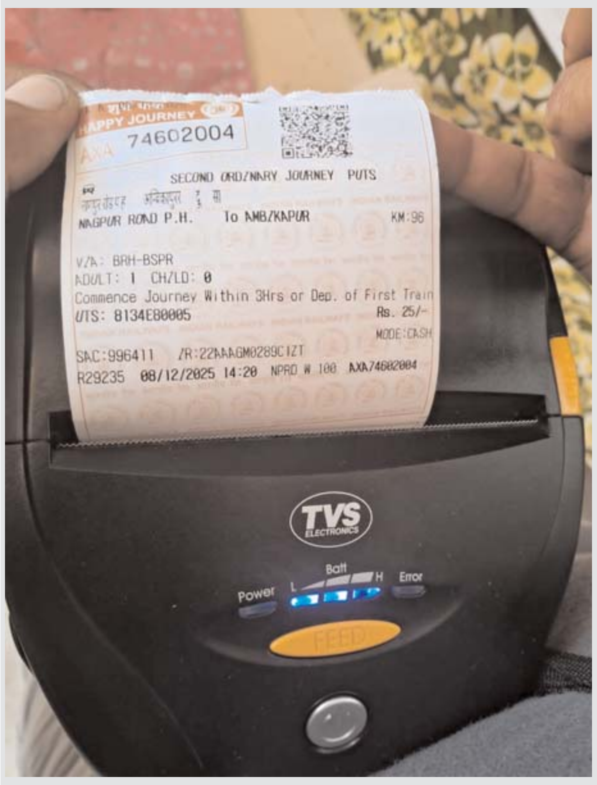

बिलासपुर। यात्रियों की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल ने अनारक्षित टिकटिंग को और अधिक सरल, आधुनिक एवं सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंडल के पैसेंजर हाल्ट स्टेशनों में एम–यूटीएस सेवा की शुरुआत की गई है। इसी कड़ी में आज से नागपुररोड पैसेंजर हाल्ट स्टेशन पर यह सुविधा उपलब्ध करा दी गई है, जहाँ एम–यूटीएस डिवाइस के माध्यम से यात्रियों को पहली बार अनारक्षित टिकट जारी किए गए। एम–यूटीएस भारतीय रेल की एक उन्नत मोबाइल–आधारित टिकटिंग प्रणाली है, जो यात्रियों को काउंटर पर लगने वाली लंबी कतारों से राहत प्रदान करती है। इस विशेष हैंडहेल्ड डिवाइस के माध्यम से प्रशिक्षित टिकटिंग कर्मचारी स्टेशन परिसर, प्रवेश द्वार तथा प्लेटफॉर्म पर ही यात्रियों को तुरंत टिकट जारी कर सकते हैं।इस सुविधा की उपलब्धता से टिकट खरीद की प्रक्रिया तेज और सुगम बनी है, छोटे स्टेशनों पर भी बेहतर टिकटिंग सुविधा उपलब्ध होगी, यात्रियों का समय और प्रयास दोनों बचेंगे तथा यात्री सेवा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि छोटे स्टेशनों के यात्रियों को आधुनिक और सुलभ सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। आगे भी मंडल के अन्य पैसेंजर हाल्ट स्टेशनों पर इस सुविधा का विस्तार चरणबद्ध रूप से किए जाने की योजना है।

पश्चिम मध्य रेलवे के अमदारा स्टेशन में प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने हेतु नॉन इंटरकनेक्टिविटी कार्य हेतु कुछ गाड़ियों का अमदारा स्टेशन में हाल्ट की सुविधा प्रभावित

बिलासपुर। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर मंडल के अमदारा स्टेशन के प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने हेतु नॉन इंटरकनेक्टिविटी का कार्य किया जा रहा है 7 इस कार्य के फलस्वरूप पश्चिम मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबन्धित कुछ गाड़ियों का अमदारा स्टेशन में हाल्ट की सुविधा को वापस लेने का निर्णय लिया गया है विस्तृत जानकारी इस प्रकार है:– अमदारा स्टेशन में हाल्ट की सुविधा को वापस ली गई गाडियां दिनांक 08 से 10 दिसम्बर 2025 तक रीवा से चलने वाली गाडी संख्या 11751 रीवा–चिरमिरी एक्सप्रेस अमदारा स्टेशन में नहीं रुकेगी । दिनांक 11 दिसम्बर 2025 को चिरमिरी से चलने वाली गाडी संख्या 11752 चिरमिरी–रीवा एक्सप्रेस अमदारा स्टेशन में नहीं रुकेगी । दिनांक 07 से 09 दिसम्बर 2025 तक रीवा से चलने वाली गाडी संख्या 18248 रीवा–बिलासपुर एक्सप्रेस अमदारा स्टेशन में नहीं रुकेगी । दिनांक 10 से 12 दिसम्बर 2025 तक बिलासपुर से चलने वाली गाडी संख्या 18247 बिलासपुर–रीवा एक्सप्रेस अमदारा स्टेशन में नहीं रुकेगी । दिनांक 08 से 10 दिसम्बर 2025 तक छपरा से चलने वाली गाडी संख्या 15159 छपरा–दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस अमदारा स्टेशन में नहीं रुकेगी । दिनांक 10 से 12 दिसम्बर 2025 तक दुर्ग से चलने वाली गाडी संख्या 15160 दुर्ग–छपरा सारनाथ एक्सप्रेस अमदारा स्टेशन में नहीं रुकेगी । रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है तथा सहयोग की आशा करता है ।

विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र में नवाचार की नई दिशा महाप्रबंधक ने उसलापुर विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र का किया विस्तृत निरीक्षण

बिलासपुर। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र, उसलापुर का विस्तृत निरीक्षण कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, तकनीकी उन्नयन, अधोसंरचना विकास तथा भविष्य की आवश्यकताओं का गहन मूल्यांकन किया । इस अवसर पर प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे ।महाप्रबंधक ने अपने निरीक्षण के दौरान लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट के प्रशिक्षण प्रबंधों की समीक्षा की । विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र, उसलापुर का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडलों के चालकों और सहायक चालकों को प्रारंभिक, प्रमोशनल, रिफ्रेशर तथा अत्याधुनिक सिम्युलेटर आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना है । यहाँ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के साथ पूर्व तटीय रेलवे तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के रनिंग स्टाफको भी प्रशिक्षण दिया जाता है ।निरीक्षण के दौरान

महाप्रबंधक ने प्रशिक्षण केंद्र में उपलब्ध सभी सुविधाओं, तकनीकी प्रक्रियाओं एवं प्रशिक्षण मॉड्यूल का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने विशेष रूप से डब्ल्यूएजी–7 लोको सिम्युलेटर तथा अत्याधुनिक सिमुलेटर कक्ष का निरीक्षण किया, जहाँ प्रशिक्षुओं को वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप ट्रेन संचालन, फॉल्ट हैंडलिंग, सुरक्षा प्रक्रियाओं तथा विभिन्न सिग्नल स्थितियों का अनुभव कराने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है । वीडियो–गेम जैसी नवीन तकनीक पर आधारित यह सिम्युलेटर चालकों की निर्णय क्षमता, ड्राइविंग दक्षता तथा तकनीकी समझ को अत्यधिक सुदृढ़ करता है ।महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने प्रशिक्षण केंद्र द्वारा रनिंग स्टाफ की दक्षता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा डब्ल्यूएजी–7 सिम्युलेटर एवं अन्य उपकरणों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपग्रेड करने पर जोर दिया, ताकि प्रशिक्षण प्रणाली बदलते परिचालन मानकों के साथ निरंतर सामंजस्य बनाए रख सके ।उन्होंने प्रशिक्षण पद्धतियों को और अधिक आधुनिक, नवाचारी एवं व्यवहारिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा आशा व्यक्त की कि इस निरीक्षण के उपरांत केंद्र की गुणवत्ता संवर्धन, तकनीकी उन्नयन और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को नई गति प्राप्त होगी । महाप्रबंधक का यह दौरा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की फ्रंटलाइन रनिंग स्टाफ के कौशल विकास, सुरक्षा–उन्मुख प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण प्रणाली को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में आज मुख्य संरक्षा आयुक्त एवं महाप्रबंधक व अधिकारियों की बैठक का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय स्थित ज़ोनल सभागार में आज मुख्य संरक्षा आयुक्त (सीआरएस), साउथ ईस्टर्न सर्किल, श्री बृजेश मिश्रा और महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश की उपस्थिति में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । बैठक में सभी विभागाध्यक्षों तथा

मुख्यालय एवं मण्डलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की । मुख्य संरक्षा आयुक्त ने नए रेल खंडों के संचालन से पूर्व अनुमोदन हेतु दस्तावेज़ों की तैयारी, परीक्षण प्रक्रियाओं, निरीक्षणों तथा निर्माण गुणवत्ता से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। अपने संबोधन में श्री मिश्रा ने निर्माण कार्यों के प्रारंभ से ही परीक्षण एवं जाँच संबंधी प्रक्रियाओं का सटीक रूप से पालन करने और उनके व्यवस्थित दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि किसी मौजूदा लाइन को मुख्य लाइन में परिवर्तित करते समय महत्वपूर्ण तकनीकी बिंदुओं और संरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। सीआरएस ने मेजर व माइनर सैंक्शन के लिए भेजे जाने वाले प्रस्तावों में आम तौर पर पाई जाने वाली कमियों की जानकारी दी और अधिकारियों को इन त्रुटियों को दूर करने के लिए मार्गदर्शन दिया । उन्होंने नवीन नीतियों, संशोधित मैनुअल्स और हाल ही में किए गए परिवर्तनों पर चर्चा करते हुए सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे इनका सक्रियता से पालन करें और आवश्यकता पड़ने पर रेलवे बोर्ड को तर्कसंगत सुझाव भेजें। अपने व्यापक अनुभव का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि परियोजनाओं में छोटी–से–छोटी सूचनाएँ भी भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, इसलिए सभी अभिलेखों और परीक्षण रिपोर्टों को पूर्ण सावधानी और सटीकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए । उन्होंने सभी विभागों को यह सुनिश्चित करने की सलाह भी दी

भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए

बिलासपुर। भारतरत्न, संविधान निर्माता एवं समाज सुधारक बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय सहित तीनों रेल मंडलों में उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में आज दिनांक 08 दिसंबर 2025 को 11.00 बजे आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की । इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने

भी क्रमवार श्रद्धा सुमन अर्पित किए । समारोह के प्रारंभ में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार ने बाबा साहब के जीवन, विचारों और राष्ट्र–निर्माण में उनके बहुमूल्य योगदान पर सारगर्भित उद्बोधन दिया । उन्होंने संविधान निर्माता, प्रखर विधिवेत्ता, दूरदर्शी राजनेता, सामाजिक न्याय के प्रणेता, प्रख्यात लेखक तथा बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व के रूप में उनके महान कार्यों का उल्लेख किया । महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित इस श्रद्धांजलि समारोह में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और बाबा साहब के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान व्यक्त किया ।

जिला कोरबा में गाइडलाइन दरों के संबंध में प्रकाशित समाचार पर स्पष्टीकरण

कोरबा। समाचार पत्र में05 दिसंबर 2025 को गांवों में जमीन की खरीदी–बिक्री बंद, शहर रजिस्ट्री खर्चा 1 से बढ़कर ?3 लाख शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुआ है। इस संदर्भ में आमजन को अवगत कराया जाता है कि छत्तीसगढ़ गाइडलाइन दरों का निर्धारण नियम, 2000 के प्रावधानों के तहत केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा वर्ष 2025–26 के लिए स्थावर संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण संबंधी गाइडलाइन दरों को अनुमोदित कर 20.11.2025 से लागू किया गया है। जिला कोरबा औद्योगिक एवं खनिज संपदा से सम्पन्न जिला होने के कारण यहाँ अचल संपत्तियों के वास्तविक मूल्यों में प्रतिवर्ष उल्लेखनीय वृद्धि होती है। वर्ष 2018–19 के पश्चात् गाइडलाइन दरों में वृद्धि न किए जाने से वास्तविक बाजार मूल्य और गाइडलाइन दरों में असंतुलन उत्पन्न हो गया था। इस असंतुलन को दूर करने के लिए पंजीयन विभाग द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से नगरीय क्षेत्रों के वार्डों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकसित क्षेत्रों और सड़कों का अध्ययन कर समान प्रकृति वाले क्षेत्रों का समूह बनाते हुए एकरूप दरें निर्धारित की गई हैं। नगरीय क्षेत्रों में अनावश्यक कंडिकाओं को हटाकर कम कंडिकाओं के साथ अधिक स्पष्ट और सरल गाइडलाइन तैयार की गई है, ताकि नागरिक अपनी संपत्ति का बाजार मूल्य आसानी से समझ सकें। रकबा 0.05 एकड़ से कम वाले भूखंडों तथा हाईवे निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण वाले क्षेत्रों की रजिस्ट्री प्रक्रिया–गत कारणों से अस्थायी रूप से रोकी गई है।

शिक्षकों की बैठक लेकर बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने और बेहतर परीक्षा परिणाम लाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी स्कूलों का लगातार एवं सघन निरीक्षण कर स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अध्ययन–अध्यापन, शिक्षकों की पदस्थापना, उनके द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषय, पिछले बोर्ड परीक्षा का परिणाम आदि का जांच कर रही है। इसी कड़ी में आज मरवाही विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अण्डी, शासकीय हाई स्कूल सिलपहरी, शासकीय हाई स्कूल धोबहर और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुदुमदेवरी का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया तथा दर्ज संख्या के अनुरूप विद्यार्थियों की उपस्थिति कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जो बच्चे लगातार अनुपस्थित रहते हैं, उनके अभिभावकों से मिलें, उन्हें समझाएं और उन्हें अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा में सिर्फ 2 माह रह गए हैं, अनावश्यक रूप से अवकाश पर नहीं जाएं, दिसम्बर माह में सिर्फ2 आकस्मिक अवकाश की पात्रता होती है।

कलेक्टर ने पिछले बोर्ड परीक्षा में परिणाम का प्रतिशत कम आने पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों का भविष्य गढ़ते हैं, अपने जिम्मेदारी का निर्वहन सही ढंग से करें, एक भी बच्चा अनुत्तीर्ण नहीं होना चाहिए, संस्था का परिणाम ठीक नहीं आने पर विषयवार शिक्षकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने होशियार बच्चों को और प्रोत्साहित करने तथा कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान केंद्रीत करने कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों को रूचिकर ढंग से पढ़ाएं, लगातार अभ्यास कराएं, रटवाने के बजाय समझाकर पढ़ाएं, ब्लूप्रिंट के आधार पर तैयारी कराएं। उन्होंने कहा कि अपना ड्यूटी पूरा करके सिर्फ खानापूर्ति नहीं करना है, समन्वय बनाकर बच्चों का भविष्य संवारें और उन्हें सही दिशा दें। उन्होंने पढ़ाई के दौरान क्लास रूम में मोबाइल की अनुमति नहीं देने प्राचार्यों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने बच्चों के क्लास रूम में जाकर उनके अध्ययन–अध्यापन के स्तर की भी परख की। शासकीय हाई स्कूल धोबहर में पिछले वर्ष 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 96 प्रतिशत आने की जानकारी पर कलेक्टर ने शिक्षकों की सराहना की और उन्हें अगले बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत रिजल्ट लाने कहा। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे भी उपस्थित थे।

राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा में जिले में सम्मिलित हुए हजारों नवसाक्षर

बिलासपुर। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली की संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन 07 दिसंबर 2025 दिन रविवार को प्रात: 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक जिले के तीनों विकासखण्डों में 166 ग्राम पंचायतों एवं तीन नगरीय निकायों के 386 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न कराई गई। जिसमें 386 केन्द्राध्यक्ष तथा 445 पर्यवेक्षक सहमूल्यांकनकर्ताओं की नियुक्ति करते हुए जिला एवं विकासखण्डों में सुचारू रूप से परीक्षा संचालन हेतु मॉनिटरिंग दल द्वारा सतत् निरीक्षण किया गया।मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुकेश रावटे तथा उपाध्यक्ष उपेन्द्र बाहदुर सिंह द्वारा भी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी ने बताया कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिलें में परीक्षार्थियों के सुविधा के अनुसार नजदीक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के 386 परीक्षा केन्द्रों में कुल दस हजार परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विकासखण्ड गौरेला के शा.मा.शा. गिरवर, प्रा.शा. करचीटोला, प्रा.शा. लालपुर

एवं मा.शा. हर्राडीह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जहां 78 वर्ष की महिला श्रीमती अघनिया बाई, पुनिया बाई 70 वर्ष, श्री लोकनाथ साहू 60 वर्ष द्वारा आकंलन परीक्षा दिलाई। जिनका उत्साहवर्धन जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दरी में नीचे बैठकर चर्चा करते हुए किया गया। साथ में जिला मॉनिटरिंग दल से श्रीं मुकेश कोरी–जिला नोडल अधिकारी, श्री संजय गुप्ता–सहायक जिला नोडल, श्री बनवाली वासुदेव–प्राचार्य एवं श्री प्रकाश रैदास, व्याख्याता द्वारा मरवाही विकासखण्ड के आदर्श साक्षराता परीक्षा केन्द्र शा.प्रा.शा. बधौरी का अवलोकन कर सेल्फी जोन तथा परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया साथ ही शा.प्रा.

शा. धोबहर, शा.मा.शा. गुदुमदेवरी, शा.प्रा.शा. मेढुका का भी अवलोकन किया।

विकासखण्ड गौरेला के नोडल अधिकारी श्री आलोक शुक्ला द्वारा आदर्श उल्लास परीक्षा केन्द्र प्रा.शा. विशंभरटोला में एक ही परिवार के सास–ससुर, पति–पत्नी, देवरानी–जेठानी द्वारा परीक्षा केन्द्र पर एक साथ परीक्षा दिलाई। विकासखण्ड गौरेला के विभिन्न परीक्षा केन्द्र में सेल्फीजोन के साथ आदर्श परीक्षा केन्द्र स्थापित किया गया। जिसमें नवसाक्षरों द्वारा उत्साह पूर्वक महापरीक्षा अभियान में हिस्सा लिया गया। परीक्षार्थियों का स्वागत फूल–माला एवं गुलदस्ता के साथ टीका लगाकर स्वागत किया गया। जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर कंट्रोल रुम भी बनाया गया जिससे पूरी परीक्षा की मानिटरिंग की गई, सम्पूर्ण परीक्षा के दौरान विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, आर.एन. चन्द्रा, श्री एस.एन. सिंह एवं बी.आर.सी.सी. श्री संतोष सोनी, श्री अजय राय, श्री रामकुमार बघेल, ब्लॉक नोडल अधिकारी, श्री आलोक शुक्ला श्री संजय टांडिया, श्री राकेश चैधरी एवं जोन प्रभारी, संकुल प्राचार्य, संकुल शैक्षिक समनव्यक तथा स्काउट एवं गाइड के छात्र–छात्राओं सहित स्वयंसेवी शिक्षकों डाइट के छात्राध्यापकों का अमूल्य योगदान रहा। सफल परीक्षर्थियों का राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान दिल्ली द्वारा प्रमाण–पत्र दिया जायेंगा।

बालको में जिला स्तरीय मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने डिप्टी डायरेक्टर, इंडस्ट्रियल हेल्थ एंड सेफ्टी, कोरबा श्री विजय सिंह पोटाई के दिशा–निर्देश में जिला स्तरीय मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया। यह मॉक ड्रिल आपातकालीन सहयोगी संस्थान की सहभागिता से आयोजित की गई, जिसमें 7 उद्योगों के 27 प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मॉक ड्रिल में कोरबा के विभिन्न औद्योगिक संस्थान, पावर लिमिटेड (पूर्व में लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड), एचटीपीएस कोरबा वेस्ट, माइंस रेस्क्यू स्टेशन एवं फायर सर्विसेस एसईसीएल कुसमुंडा एरिया, एनटीपीसी कोरबा, डीएसपीएम टीपीएस कोरबा ईस्ट, आईओसीएल कोरबा टर्मिनल एवं आईओसीएल कुसमुंडा शामिल थे। बालको के सीओओ (पावर) संतोष सिन्हा ने डिप्टी डायरेक्टर का स्वागत किया। मॉक ड्रिल से पूर्व घटना और आपातकालीन योजना पर विस्तार से चर्चा हुई। बालको के प्रमुख एचएसई एडं एस बी. शिवकुमार द्वारा प्लांट सेफ्टी, रोड सेफ्टी, फायर जागरूकता एवं मॉक ड्रिल क्षेत्र से संबंधित संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई। 1200 मेगावाट पॉवर प्लांट में अग्निकांड की आपात स्थिति पर मॉक ड्रिल की गई, जिसमें एक संभावित औद्योगिक दुर्घटना का अनुकरण किया गया। इसके माध्यम से सभी सहभागियों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया की वास्तविक प्रक्रिया का अनुभव किया।

वास्तु शास्त्र में घर की चौखट का विशेष महत्व

वास्तु शास्त्र में घर की चौखट का बहुत अधिक महत्व है। घर की चौखट की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाा है कि घर यह घर का एंट्री स्थल है, इसलिए यहां से पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी आती है, इसलिए इस जगह का वास्तु बिलकुल ठीक होना चाहिए। सबसे पहले घर बनवाते समय घर की चौखट से जुड़े कुछ वास्तु नियमों का धयान रखना चाहिए। वहीं पूजा के बाद भी घर की चौखट से जुड़ी बातों के बारे में आपको पता होना चाहिए। आइए जानें घर की चौखट से जुड़ी बातें:

- ऐसा कहा जाता है घर की चौखट मां लक्ष्मी से जुड़ी है, इसलिए इस पर पैर ना रखें, इससे देवी-देवताओं का अपमान होता है।
- जिस प्रकार मंदिर में प्रवेश करते समय मंदिर की चौखट को स्पर्श कर आशीर्वाद लेते हैं, उसी प्रकार घर की चौखट का भी अनादर नहीं करना चाहिए।
- घर की चौखट सिर्फ चौखट ही नहीं पूजनीय स्थल है। किसी भी विवाह आदि में सबसे पहले देहरी पूजन किया जाता है।
- अगर घर की चौखट से जुड़ी सभी बातों को माना जाता है, इससे घर में सकारात्मक एनर्जी और मां लक्ष्मी का ही प्रवेश होता है।
- बहुत ही कम लोग जानते हैं कि आपको कभी भी चौखट पर पैर नहीं रखना चाहिए। बाहर जाते समय इस पर पैर न रखें, इसे लांघकर निकलना चाहिए।
- अगर नया घर बन रहा है, तो चौखट लगवाने के लिए आपको किसी ज्योतिष से पूछना चाहिए। चौखट लगाने के लिए सोमवार, बुधवार, गुरुवार, और शुक्रवार शुभ दिन माने जाते हैं।

चौखट को लगाते समय तिथि का रखें ध्यान

चौखट को लगाते हैं तिथियों का भी ध्यान रखें। प्रतिपदा में चौखट लगाने से दुख, तृतीय में लगाने से रोग, चतुर्थी में लगाने से कुल नाश, षष्टी में लगाने से धनहानि, और दशमी, पूर्णिमा, और अमावस्या में लगाने से शत्रु बढ़ते हैं।

- ऐसा कहा जाता है घर की चौखट मां लक्ष्मी से जुड़ी है, इसलिए इस पर पैर ना रखें, इससे देवी-देवताओं का अपमान होता है।
- जिस प्रकार मंदिर में प्रवेश करते समय मंदिर की चौखट को स्पर्श कर आशीर्वाद लेते हैं, उसी प्रकार घर की चौखट का भी अनादर नहीं करना चाहिए।
- वास्तु शास्त्र के मुताबिक चौखट या दहलीज साफ सुथरी और सही हालत में होनी चाहिए।
- वास्तु के मुताबिक लकड़ी से बनी चौखट शुभ मानी जाती है। अगर लकड़ी की चौखट नहीं बनवानी है, तो मार्बल की चौखट बनाई जा सकती है।

खूबसूरत और हेल्दी के लिए डाइट में शामिल करें सुपरफूड

बिजी लाइफ स्टाइल के दौरान खुदको मेंटेन करना एक चैलेंजिग वर्क है। घर ऑफिस और बच्चों की परवरिश में ज्यादातर समय खर्च हो जाता है। इस वजह से महिलाएं अपनी देखभाल करना तक भूल जाती है। इनमें वे महिलाए जो जॉब करती हैं, उनपर डबल जिम्मेदारियों का बोझ आ जाता है। ऐसी महिलाओं को खासतौर पर अपनी देखभाल की और ज्यादा जरूरत होती है। जबकि ऐसा होने की बजाए वे सामान्य से भी कम देखभाल कर पाती हैं। ऐसे में वे समय से पहले उम्रदराज लगने लगते हैं। शरीर में तरह-तरह की बिमारियां जन्म लेने लगती हैं। जैसा कि महिलाओं को हर महीने पीरियड्स जैसी पीड़ा से भी गुजरना होता है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि वे अपने शरीर का बेहतर खयाल रखा करें।

दही– दही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। दही में कैल्शियम की भारी मात्रा होती है। रिसर्च से पता चला है कि रोजाना दही का सेवन करने से ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है। दही वेजाइनल इंफेक्शन और अल्सर का खतरा को भी दूर करता है।

मिल्क और ऑरेंज जूस– बढ़ती उम्र के साथ-साथ शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी हो जाती है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि स्पेशल डाइट लें। जिसमें दूध और संतरे का जूस को शामिल करें। इससे शरीर को कैल्शियम और विटामिन डी भरपूर मात्रा में मिलता है।

टमाटर– बढ़ती उम्र के साथ त्वचा सिकुड़ने लगती है। जिससे फेस के साथ-साथ हाथ-पांव की खूबसूरती कम होने लगती है। ऐसे टमाटर इस्तेमाल करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। टमाटर त्वचा को चमकदार और फिट बनाए रखता है। इसमें लाइकोपीन नामक पोषक तत्व पाया जाता है। यह ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को भी कम करने में मददगार होता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरा हुआ टमाटर हार्ड के लिए भी फायदेमंद होता है।

पालक– महिलाओं को डाइट में हरी सब्जियां ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। इससे शरीर पर्याप्च मात्रा में आयरन मिलता है।

आंवला– महिलाओं को अपने खान-पान में आंवला को जरूर शामिल करना चाहिए। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, बी, पौटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और मैग्नीशियम से पाया जात है। जो महिलाओं के पेट, आंख, त्वचा और बालों के लिए एक वरदान के रूप में साबित हो सकता है।

सीजनल फल सेहत के लिए फायदेमंद

सीजनल फ्रूट खाना सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। हेल्दी रहने के लिए हमेशा लोकल मार्केट से फल-सब्जियां लेने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में मार्केट में अंगूर और स्ट्राबेरी खूब मिलते हैं। जिन्हें खाने से कई बार गले में इंफेक्शन की समस्या पैदा हो जाती है। यहीं नहीं पेस्टिसाइड्स की वजह से और भी हेल्थ की दिक्कतें होने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है जानना कि अंगूर या स्ट्राबेरी को खाने से पहले किस तरह धोना चाहिए।

फलों पर लगे पेस्टिसाइड हो सकते हैं खतरनाक

फलों पर पेस्टिसाइड का छिड़काव किया जाता है। जिससे कि ये खराब ना हों। अंगूर, स्ट्राबेरी जैसे फल सीधे खाए जातें। इनके छिलके नहीं निकाले जाते। जिसकी वजह से इन पर चिपके पेस्टिसाइड के कण सीधे पेट में चले जाते हैं। खासतौर पर स्ट्राबेरी के हर एक कोने में पेस्टिसाइड चिपक जाते हैं। जिसकी वजह से शरीर को नुकसान हो सकता है।

पेस्टिसाइड शरीर को इस तरह करते हैं नुकसान

गले में हो जाता है इन्फेक्शन
उल्टी आना
चक्कर आना
सिरदर्द होना
एलर्जी की वजह से ये समस्याएं पैदा होती है।

कैसे धोएं अंगूर और स्ट्राबेरी

अंगूर और स्ट्राबेरी जैसे फलों पर लगे पेस्टिसाइड को धोने के लिए सबसे पहले उन्हें गर्म पानी में नमक डालकर करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर बहते पानी से अच्छी तरह से हाथों से रगड़कर साफ करें। अब सारे अंगूर और स्ट्राबेरी को किसी साफ-सूखे तौलिए से पोंछ दें। क्योंकि स्ट्राबेरी में अगर गीलापन रहता है तो उसमें कीड़े लगने का ज्यादा डर होता है। जो कि नुकसानदायक होता है।

महिलाओं के लिए सेल्फ केयर टिप्स

खुद की देखभाल करना बेहद जरूरी है। अक्सर महिलाएं घर और बाहर के काम के चक्कर में अपनी देखभाल नहीं करती। जिसका नतीजा होता है कि वो खुश नहीं रह पाती और अपने आसपास का माहौल भी खुशनुमा नहीं बना पाती। महिलाओं को खुद से ज्यादा फैमिली की चिंता होती है और वो अपनी जरूरतों को नजरअंदाज करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि पहले सेल्फ केयर का प्रयास करें। जिससे खुद को हैप्पी और संतुष्ट कर सकें। खुद का मूड और सेहत अच्छी होने पर आसपास का माहौल भी खुशनुमा नजर आएगा। दिनचर्या के व्यस्त शेड्यूल से अपने लिए इन तरीकों से समय निकालें।

सेल्फ केयर के लिए टाइम निकालें

फैमिली की जिम्मेदारियों के बीच खुद के लिए टाइम निकालना मुश्किल है,लेकिन ये आपको ही करना होगा। अपने लिए थोड़ा सा टाइम निकालें और अपने घर के सदस्यों को इस बारे में जानकारी दें।

योगा क्लास ज्वॉइन करें

अच्छी सोच के लिए अच्छी सेहत जरूरी है। खुद को सेहतमंद रखने के लिए कोई योगा क्लास ज्वॉइन करें। यहीं नहीं अगर आप आलस और थकान दिनभर महसूस करती हैं तो भी योगा क्लास ज्वॉइन करें। इससे आपको माइंड रिलैक्स करने का मौका मिलेगा।

पर्याप्त नींद है जरूरी

नींद लेने से केवल शरीर ही नहीं बल्कि माइंड भी रिलैक्स करता है। जिससे आप चिड़चिड़ापन कम महसूस करेंगी और हर वक्त फ्रैश महसूस करेंगी। साथ ही शरीर में एनर्जी भी होगी। जिससे सारे काम फटाफट और आसानी से हो सकेंगे।

बॉडी को हाइड्रेट करें

शरीर के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी जरूरी है। सुबह उठकर सबसे पहले पानी पीने की आदत डालें। इससे आप दिनभर एनर्जेटिक रहेंगी और शरीर आसानी से रिहाइड्रेट रहेगा। इसके साथ ही मॉर्निंग रूटीन में पानी पीने के काफी सारे फायदे हैं।

अच्छे काम जरूरी है

दिनभर में कोई ऐसा काम जरूर करें जो आपको खुशी दे। सुबह उठकर भगवान को अपनी लाइफ और अपने आसपास की सुविधाओं के लिए धन्यवाद दें। ऐसा करने से आपको दिनभर में कुछ अच्छा काम करने का मोटिवेशन मिलेगा और अपनी लाइफ के प्रति थैंकफुल होंगी।

पर्सनैलिटी को अट्रैक्टिव बनाने के उपाय

बहुत सारे लोगों की समस्या रहती है कि उनकी बातों से लोग इंप्रेस नहीं होते और दूर भागते हैं। ऐसे में उनके सक्सेज पाने के चांस कम हो जाते हैं। अगर आप अपनी बातों को प्रभावशाली बनाना चाहते हैं। जिससे कि लोग आपकी तरफ अट्रैक्ट हो,तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जिसमें ये चीजें शामिल होती है।

मिलनसार स्वभाव :- अक्सर लोग अपने आसपास की दुनिया में इतने मस्त रहते हैं कि बाहरी लोगों से बहुत कम मिलते हैं। जब भी किसी से मिले तो बहुत ही फ्रेंडली तरीके से मिले। बात के दौरान अपनी आवाज में सौम्यता रखें। साथ ही पूरे इंट्रेस्ट के साथ बात करें। इससे लोग आपको आसानी से याद रखेंगे और अगली बार मिलने की कोशिश करेंगे।

हर इंसान से अलग मिले :- अगर आप किसी भीड़ में शामिल हैं, तो ग्रुप में भी मिलते वक्त हर किसी से अलग-अलग मिले और बात करें। इससे आपका इंप्रेशन ज्यादा गहराई से लोगों पर पड़ता है। साथ ही लोग आपको याद रखते हैं।

बहस करने से बचें :- अगर आप किसी से पहली मुलाकात कर रहे हैं,तो उससे बहस या वाद-विवाद करने से बचें। ऐसा करना आपके इंप्रेशन को निगेटिव कर देगा। पहली मुलाकात में किसी भी कंट्रोवर्सी वाले टॉपिक पर बात करने से बचें। साथ ही अगर आप किसी बात पर सहमत नहीं,तो भी उसे असहमति ना जताएं।

हेल्पफुल नेचर :- किसी से मिलते वक्त उसकी मदद का हाथ जरूर बढ़ाएं। हेल्पफुल नेचर के इंसान को लोग लंबे समय तक याद रखते हैं। साथ ही अपने काम में भी ईमानदारी रखें।

नॉलेज जरूरी है :- लोगों को अपनी तरफ अट्रैक्ट करने के लिए अच्छी पर्सनैलिटी और गुड बिहेवियर का होना तो जरूरी है। साथ ही सफलता पाने के लिए नॉलेज भी होनी चाहिए। जिससे कि जब आप किसी से बात करें तो आपकी नॉलेज लोगों को प्रभावित करे और लोग आपकी तरफ अट्रैक्ट हों।

कला स्पंदन आर्ट फेयर

इंडियन आर्ट प्रमोटर द्वारा आयोजित "कला स्पंदन आर्ट फेयर" प्रदर्शनी का नौवां संस्करण आज मुंबई के वरळी स्थित नेहरू सेंटर में शुरू हुआ। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी और संस्कृतिके मंत्री, श्री आशिष शेलार के हाथों किया गया। उद्घाटन समारोह में उनके साथ कला स्पंदन आर्ट फेयर के संस्थापक एवं क्यूरेटर सुदीप चक्रवर्ती, प्रसिद्ध टीवी और बॉलीवुड अभिनेत्री एकता बी. पी. सिंह, लोकप्रिय टीवी सीरियल शक्तिमान के लेखक बृजमोहन पांडे, और सुप्रसिद्ध कलाकार रामजी शर्मा उपस्थित थे।

देशभर से आए 150 से अधिक कलाकारों की करीब 4500 कलाकृतियाँ इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई हैं। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए संस्थापक सुदीप चक्रवर्ती ने बताया कि यह आर्ट फेयर का नौवां संस्करण है, और इसका मुख्य उद्देश्य देश के दूरदराज़ के गाँवों और पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले कलाकारों को एक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी कला को पहचान मिले और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में चित्र प्रदर्शित करने के लिए किसी भी प्रकार का कमीशन नहीं लिया जाता है।

हमारा प्रयास है कि कलाकार अपनी रचनाएँ बहुत ही कम और वहन करने योग्य खर्च में प्रदर्शित कर सकें, और कला प्रेमी सीधे कलाकारों से ही कलाकृतियाँ खरीद सकें, यही इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। 5 से 7 दिसंबर तक, प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक कला प्रेमी इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकते हैं, ऐसी जानकारी भी सुदीप चक्रवर्ती ने दी।

बालों को कंघी करने का क्या है सही तरीका

सही कंघी को चुनें– बालों को झड़ने से रोकने के लिए सही कंघी का चुनना बहुत जरूरी है। बालों के लिए चिकनी और गोल सिरों वाली चौड़े दांतों की कंघी को चुनें। इससे बालों की जड़ों पर तनाव कम होता है। ऐसे में इन्हें टूटने से बचाया जा सकता है।

हल्के हाथ से सुलझाएं– बालों के झड़ने की एक वजह ये भी है कि आप बालों को बहुत तेजी से कंघी करते हैं। बल्कि इसकी जगह हमेशा कंघी करने से पहले बालों को सुलझाने की आदत डालें। उंगलियों की मदद से आप बालों में हुई गांठों और उलझन को हटाएं। जब आप ऐसा करने के बाद बालों की कंघी करते हैं,तो बाल कम झड़ते हैं।

लंबाई से शुरू करें– कंघी करते वक्त ध्यान दें कि हमेशा लंबाई से कंघी करें और फिर धीरे-धीरे जड़ों की ओर बढ़ें। ऐसा करने पर बालों के टूटने का खतरा कम होता है।

गीले बालों को करें अवॉइड– गीले बाल बहुत ज्यादा कमजोर होते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि बाल पूरी तरह से सूख जाएं और फिर कंघी करें। या फिर आप माइक्रो फाइबर तौलिया से बालों के पानी को सुखा दें और फिर कंघी करना शुरू करें।

कंडीशनर का इस्तेमाल करें– बालों पर एक अच्छे कंडीशनर का इस्तेमाल करना अच्छा है। ऐसा करने पर उलझे बालों को आसानी से सुलझाया जा सकता है। कंडीशनर करने से बालों को कंघी करना आसान होगा।

पानी पीने के फायदें

डॉक्टरों का कहना है कि इंसान को अपने शरीर को हमेशा हाइड्रेटेड रखना चाहिए। ऐसा इसीलिए कहा जाता है कि रोजाना पर्याप्त पानी पीने से शरीर के सभी अंग ठीक से काम करते रहते हैं। डॉक्टरों की मानें तो प्रतिदिन 2 लीटर पानी पीना हमारे संपूर्ण शरीर के लिए अच्छा है।

शरीर का तापमान: डॉक्टरों का कहते हैं कि हमें रोजाना 2 लीटर पानी पीना चाहिए, इससे शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद मिलती है। पानी पीने से शरीर की गर्मी न सिर्फ बाहर से बल्कि अंदर से भी कम होती है। मौसम चाहे जो भी हो, खासकर गर्म मौसम में, ढेर सारा पानी पीना टाहिए, जिससे शरीर को हाइड्रेटेड रहे।

पोषण: पानी शरीर शरीर को मिनरल, विटामिन और इलेक्ट्रोलाइट्स सहित कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व देता है। पर्याप्त हाइड्रेशन से पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग होता है।

बॉडी वेस्ट: पानी पसीने और मूत्र के माध्यम से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। बाहर निकालने के लिए पानी जरूरी है। पर्याप्त पानी पीने से किडनी बेहतर काम करती है। यह आपके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बॉडी वेस्ट निर्माण को भी रोकता है।

25 से 29 दिसंबर तक गूंजेगी हनुमंत कथा

धीरेंद्र शास्त्री भिलाई में लगाएंगे दिव्य दरबार

भिलाई, । देश भर में सनातन धर्म के प्रमुख ध्वजवाहक माने जाने वाले पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, जिन्हें 'बागेश्वर धाम सरकार' के नाम से भी जाना जाता है, पहली बार भिलाई आ रहे हैं। वे यहां पांच दिवसीय 'दिव्य श्री हनुमंत कथा' का वाचन करेंगे। इस आयोजन को लेकर दुर्ग-भिलाई समेत पूरे छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है।

जयंती स्टेडियम के पास होगा आयोजन- सेवा समर्पण संस्था द्वारा आयोजित यह भव्य कथा 25 दिसंबर से 29 दिसंबर तक जयंती स्टेडियम के समीप एक विशाल ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। संस्था के संयोजक और कैबिनेट मंत्री राकेश पांडे ने एक पत्रकार वार्ता में इस आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। पांडेय ने बताया कि कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। श्रद्धालुओं की भारी संख्या की संभावना को देखते हुए आयोजन स्थल पर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

27 दिसंबर को लगेगा विशेष दिव्य दरबार- आयोजन का मुख्य आकर्षण 27 दिसंबर को लगने वाला विशेष 'दिव्य दरबार' होगा। इस दौरान पंडित धीरेंद्र शास्त्री श्रद्धालुओं की समस्याएं सुनेंगे, पर्ची निकालेंगे और उनके समाधान के उपाय बताएंगे। दिव्य दरबार को लेकर भक्तों में विशेष उत्सुकता है।

लाखों श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्था- आयोजन समिति ने अनुमान लगाया है कि कथा सुनने के लिए दुर्ग-भिलाई के अलावा पूरे छत्तीसगढ़ से लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे। इसके मद्देनजर, आयोजन स्थल पर बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग, निःशुल्क भोजन (भंडारा), पेयजल, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पुख्ता तैयारी की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

5214 किसानों से किया 90.22 हेक्टेयर रकबा समर्पण

दुर्ग। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केन्द्रों में अब तक 21896 किसानों से 1,15,550.48 मे. टन धान खरीदी हुई है जिसकी लागत राशि 27,4050.48 लाख रुपए है। शासन की पारदर्शी व्यवस्था और तुंहर टोकन के अंतर्गत किसानों को सहुलियतें मिल रही है और वे निर्धारित तिथि अनुसार धान बेचने उपार्जन केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। उपार्जन केन्द्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों के लिए समुचित प्रबंध की गई है। धान खरीदी हेतु केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था है। अब तक 5,214 किसानों ने 90.22 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया है। खरीफ वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में 6,16,435 मे. टन धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य निर्धारित है।

बीमा क्लेम के लिए रची गई थी पूरी साजिश, आरोपी गिरफ्तार

कुम्हारी । एटीएम में कैश लोडिंग के नाम पर 14 लाख 60 हजार रुपये की लूट की सनसनीखेज वारदात अब पूरी तरह से फर्जी साबित हो गई है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस कथित लूट का शिकार बना व्यक्ति ही पूरी साजिश का आरोपी निकला। कुम्हारी पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रार्थी आशीष राठौर, उम्र 34 वर्ष, निवासी चरोदा (पुरानी भिलाई) ने 07.12.2025 को थाना कुम्हारी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह हिताची कंपनी का एटीएम कैश लोडिंग फ्रेंचाइजी संचालक है। उसने बताया कि 06.12.2025 को वह तेन्दुआ से मुरमुंदा दादर एटीएम में 14,60,000 रुपये कैश लेकर बाइक से जा रहा था, तभी कपसदा के पास तीन अज्ञात लोगों ने चाकू दिखाकर कैश से भरा बैग लूट लिया। इस रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 239/25, धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल निरीक्षण, आसपास के लोगों से पूछताछ और तकनीकी जांच की, लेकिन लूट की पुष्टि से जुड़ा कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला।

समावेशी शिक्षा के लिए दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन महत्वपूर्ण कार्य

गरियाबंद। समावेशी शिक्षा के तहत जिला मिशन समन्वयक, शिवेश शुक्ला ने जिले के सभी बीआरपी एवं एपीसी की बैठक लेकर स्कूलों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान की विशेष पहल तेज़ी से स्क्रीनिंग करने और प्रत्येक बच्चे का विवरण यूडीआईएसई पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि समग्र शिक्षा के तहत जिले के सभी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की व्यापक स्क्रीनिंग की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य है–किसी भी बच्चे को शिक्षा के अवसरों से वंचित न होने देना और उन्हें आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना। सभी बीआरसी, बीआरपी एवं स्कूल शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चों की सावधानीपूर्वक जाँच करें जैसे दृष्टि, श्रवण, शारीरिक गतिशीलता, बौद्धिक एवं सीखने संबंधी क्षमताएँ, व्यवहारिक एवं संज्ञानात्मक चुनौतियाँ आदि। जिन बच्चों में किसी भी प्रकार की विशेष आवश्यकता पाई जाती है, उनकी सूचना तुरंत यूडीआईएसई+ में दर्ज की जानी चाहिए। यह डेटा आगे बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं–जैसे थेरपी, शिक्षण-सामग्री, सहायता उपकरण, होम-बेस्ड लर्निंग और परिवहन भत्ता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समयसीमा के भीतर 100 प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करने के लिए मॉनिटरिंग टीमें भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में यह कदम जिले के हर बच्चे को मुख्यधारा से जोड़ने का मजबूत प्रयास होगा।

पार्षद निधि से लाइट खरीदी की प्लानिंग, कमीशन का खेल, घर जाकर बनवा रहे डिमांड लेटर

हर पार्षद को 1 लाख की लाइट खरीदने की बात कह रहे, बेवजह की जरूरत दर्शा रहे

पूर्व में 98 लाख की लाइट खरीदी नगर निगम में हो चुकी है, अब पार्षद निधि का उपयोग

राजनांदगांव। शहर में एक बार फिर स्ट्रीट लाइट खरीदी में लाखों का खेल करने की तैयारी की जा रही है। पूर्व में 98 लाख रुपए की लाइट खरीदी गई थी, उसकी गुणवत्ता किसी से छिपी नहीं है। अब दोबारा पार्षद निधि का उपयोग कर नया खेल करने की पूरी प्लानिंग शुरू कर दी गई है। इसके लिए नगर निगम से जुड़े नेता पार्षदों से डिमांड लेटर बना रहे हैं, इसके बाद लाइट की सप्लाई की जाएगी। यह पूरा प्लान भाजपा नेताओं ने तैयार कर लिया है और जमीनी स्तर इस पर काम भी शुरू कर दिया गया है। सूत्रों की मानें तो शहर के पूरे 51 वार्डों में लाइट सप्लाई की तैयारी भाजना नेताओं ने कर ली है। पहले चरण में पार्षदों से डिमांड लेटर लिया जा रहा है, जिसे नगर निगम में जमा कराने का काम किया जा रहा है। उस आधार पर जैम पोर्टल से उसकी खरीदी की जाएगी। इसके लिए नगर निगम के कुछ भाजपा नेता एक्टिव हो गए हैं, जो खासकर भाजपा पार्षदों को लाइट खरीदने कह रहे हैं। इसके अलावा कुछ कांग्रेसी पार्षदों को भी साधने की बात भी सामने आ रही है। देखना होगा कि इस खेल में किस तरह से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जाता है।

1 लाख की लाइट देने की बात सामने आ रही

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा नेताओं ने पूरा सिडिकेड बना लिया है और पार्षदों को एक लाख रुपए की लाइट खरीदने के लिए कह रहे हैं। कई पार्षदों ने इसके लिए लेटर भी दे दिया है। बताया गया कि भाजपा नेता घर-घर जाकर लाइट खरीदने के लिए दबाव भी बना रहे हैं। यदि हर वार्ड से खरीदी कराई जाती है तो शहर में 51 लाख रुपए से अधिक की लाइट लगाई जाएगी। इसमें कमीशन का भी खेल को नकारा नहीं जा सकता।

लूट की झूठी कहानी का पर्दाफाश, प्रार्थी ही निकला 14.60 लाख की फर्जी लूट का मास्टरमाइंड

बीमा क्लेम के लिए रची गई थी पूरी साजिश, आरोपी गिरफ्तार

कुम्हारी । एटीएम में कैश लोडिंग के नाम पर 14 लाख 60 हजार रुपये की लूट की सनसनीखेज वारदात अब पूरी तरह से फर्जी साबित हो गई है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस कथित लूट का शिकार बना व्यक्ति ही पूरी साजिश का आरोपी निकला। कुम्हारी पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रार्थी आशीष राठौर, उम्र 34 वर्ष, निवासी चरोदा (पुरानी भिलाई) ने 07.12.2025 को थाना कुम्हारी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह हिताची कंपनी का एटीएम कैश लोडिंग फ्रेंचाइजी संचालक है। उसने बताया कि 06.12.2025 को वह तेन्दुआ से मुरमुंदा दादर एटीएम में 14,60,000 रुपये कैश लेकर बाइक से जा रहा था, तभी कपसदा के पास तीन अज्ञात लोगों ने चाकू दिखाकर कैश से भरा बैग लूट लिया। इस रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 239/25, धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल निरीक्षण, आसपास के लोगों से पूछताछ और तकनीकी जांच की, लेकिन लूट की पुष्टि से जुड़ा कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला।

शंका गहराने पर पुलिस ने प्रार्थी आशीष राठौर से सख्ती से पूछताछ की, जिसमें उसने पूरी सच्चाई स्वीकार कर ली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पास पहले 4 सेल्फ फंडिंग एटीएम थे, बाद में उसने 8 और एटीएम हिताची कंपनी फंडिंग पर ले लिए। कुल 12 एटीएम में कैश की मांग बढ़ गई थी, जिससे उसे आर्थिक परेशानी होने लगी। ट्रांजेक्शन कम होने से कमीशन घट गया था, वहीं घर, कार लोन, एटीएम किराया और रखरखाव का खर्च बढ़ने से वह कर्ज में डूब गया। इसी दबाव में उसने यह योजना बनाई कि अगर कैश लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई जाए तो बीमा क्लेम आसानी से मिल जाता है।

क्रांतिकारी सुखदेव राज की 118वीं जयंती दुर्ग में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई

जर्जर आवास के जीर्णोद्धार का लिया गया संकल्प

दुर्ग। देश की आज़ादी के लिए क्रांति का मार्ग अपनाने वाले जांबाज़ क्रांतिकारी सुखदेव राज की 118वीं जयंती आज 7 दिसंबर को इंदिरा मार्केट दुर्ग स्थित उनके पुराने जर्जर आवास के सामने श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाई गई। यह आयोजन भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, सुखदेव राज स्मृति स्मारक समिति और दुर्ग सिख सभा के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक एवं शैक्षणिक जगत के लोग मौजूद रहे और क्रांतिकारी सुखदेव राज को नमन किया। सुखदेव राज, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे अग्रणी क्रांतिकारियों के निकट सहयोगी रहे। उनका जन्म 7 दिसंबर 1907 को लाहौर में हुआ था। कॉलेज जीवन में ही वे क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ गए। 27 फरवरी 1931 को प्रयाग के अल्फ्रेड पार्क में चंद्रशेखर आजाद के अंतिम समय में उनके साथ सुखदेव राज मौजूद थे। वर्ष 1963 से 1973 तक वे दुर्ग के इंदिरा मार्केट स्थित शिशु कल्याण केंद्र के भवन में रहकर कुष्ठ रोगियों की सेवा करते रहे। 5 जुलाई 1973 को इसी भवन में उन्होंने अंतिम सांस ली। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश सचिव जितेंद्र वर्मा ने विशेष रूप से अपने विचार रखते हुए कहा–सुखदेव राज जैसे क्रांतिकारी केवल इतिहास नहीं हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। हमें उनके त्याग और संघर्ष को स्कूलों, समाज और युवाओं तक पहुँचाना होगा। उनका जर्जर आवास केवल ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि हमारी आज़ादी की धरोहर है, जिसका संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। जितेंद्र वर्मा ने स्मारक के जीर्णोद्धार और इसे शैक्षणिक एवं ऐतिहासिक केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने दुर्गवासियों को क्रांतिकारी सुखदेव राज के योगदान से अवगत कराया और सर्वसम्मति से उनके जर्जर आवास के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया गया।

जिला साहू संघ दुर्ग के पुन : अध्यक्ष बने नंदलाल साहू

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ अंतर्गत जिला साहू संघ दुर्ग के त्रिवार्षिक आम चुनाव संपन्न हुआ। आपको बता दें साहू समाज के त्रिवार्षिक आम चुनाव में जिला साहू संघ के अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में उतरे थे। भीखम साहू, नंदलाल साहू, गिरीश साहू जिसमें पूनः अध्यक्ष के पद पर आसीन हुए वर्तमान जिला अध्यक्ष नंदलाल साहू। उपाध्यक्ष के पद पर मंजू साहू, कृष्णा प्रसाद साहू ने जीत हासिल की है। साहू लगातार जिला साहू संघ को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करते आ रहे हैं। और उनके कार्यकाल में समाज में कई सराहनीय कार्य किए गए जिसका परिणाम फल के रूप में पूनः अध्यक्ष पद नंदलाल साहू को मिला है। नंदलाल साहू अपने आप में एक सादगी पूर्ण व्यक्तित्व के धनी हैं। जिला साहू समाज माननीय नंदलाल साहू जी को अपना प्रेरणा श्रोत और आदर्श मानते हैं उनके मार्गदर्शन में लगातार समाज में उत्कृष्ट कार्य करने का कार्य तहसील और परिक्षेत्र के प्रतिनिधि मंडल करते हैं। आज पुनः अध्यक्ष बनने के बाद जिला साहू संघ का विश्वास बढ़ा है। सबको साथ में लेकर के पुनः ऐतिहासिक कार्य जिला साहू संघ के पुनःअध्यक्ष बने नंदलाल साहू के कार्यकाल में होगा।

त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पहले दिन रामकथा का विस्तार से वर्णन

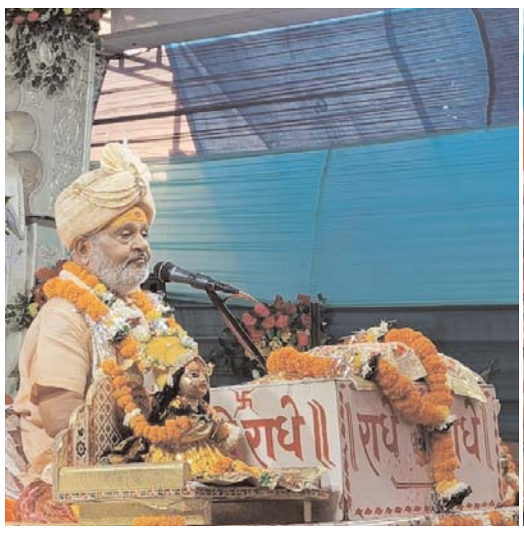

भिलाई । भिलाई के रिसाली में त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जहां पहले दिन भगवान राम के जन्म से लेकर उनको मिले वनवास तक की कथा का वर्णन किया गया।इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे जिन्होंने भक्ति रस में डूब कर राम कथा का आनंद लिया।

कथावाचक बेमेतरा के पंडित भूपत नारायण शुक्ला ने त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ कथा के दौरान श्रद्धालुओं को रामकथा का विस्तार से वर्णन किया।

इसके अलावा कथा में महाभारत काल का भी वर्णन किया गया।दोपहर 2 बजे से शुरू हुई कथा में शाम तक श्रद्धालु श्रद्धा पूर्वक कथा के रस में डूबे रहे। इसके पश्चात आरती संपन्न कराया गया

शासकीय भूमि पर अवैध कब्ज़े का मामला

भिलाई की पार्षद नेहा साहू अनिश्चितकालीन धरने की तैयारी में

भिलाई । भिलाई नगर पालिक निगम के वार्ड 21 कैलाश नगर कुरूद में शासकीय भूमि पर अवैध कब्ज़े और प्लाटिंग के मामले को लेकर राजनीति गरमा गई है। वार्ड की पार्षद नेहा साहू ने प्रशासन की ढिलाई के विरोध में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की चेतावनी दी है।

पार्षद नेहा साहू ने एक पत्रकार वार्ता में इस पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मानसरोवर मंदिर के समीप स्थित खाली शासकीय जमीन पर पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए निविदा जारी की गई थी।

शासन बदलते ही सक्रिय हुए भूमाफिया- सुश्री साहू ने आरोप लगाया कि वर्ष 2023 में राज्य शासन बदलने के तुरंत बाद, उक्त निविदा को निरस्त कर दिया गया, जिसका फायदा उठाते हुए भूमाफिया सक्रिय हो गए। उन्होंने दावा किया कि भूमाफियाओं ने खाली जमीन पर अवैध रूप से कई प्लाट निर्मित किए और उन्हें बेच दिया।

सीमांकन में 30 घरों का अवैध निर्माण उजागर- पार्षद की शिकायत पर प्रशासन ने एक टीम गठित कर जांच शुरू की थी। सीमांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह पाया गया कि लगभग 28 से 30 घर शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए हैं। नेहा साहू ने इस गंभीर मामले में दोषियों, यानी भूमाफियाओं और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, ÷प्रशासन कार्रवाई करने के बजाय हर बार जांच अधूरी होने की बात कहकर मामले को टाल रहा है, जिससे दोषियों के हौसले बुलंद हैं।÷प्रशासन द्वारा संतोषजनक कार्रवाई नहीं किए जाने की स्थिति में, पार्षद ने न्याय के लिए अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की घोषणा की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com